खबर संक्षेप

निःशुल्क अंधत्व निवारण शिविर सपन्न

भुआबिछिया। दिनांक 26.10.2025 दिन रविवार को निःशुल्क अंधत्व निवारण शिविर ग्राम पंचायत बांदरवाडी में दादा वीरेन्द्र पूरी महाराज, (देवजी नेत्रालय) शिविर का आयोजन किया गया जिसमें 67 मरीजों ने अपनी आंख का जांच करवाया, जांच उपरांत 40 लोगो को चश्मा वितरित किया, 10 मरीजों को चयनित कर मोतियाबिंद ऑपरेशन हेतु देव जी नेत्रालय जबलपुर जनप्रतिनिधियों द्वारा हरि झंडी दिखा कर रवाना किया गया। इस अवसर पर मुख्य रूप से अनंत सिंह राठौर, करन सिंह मरावी सरपंच ग्राम पंचायत बांदर वाडी, रमेश तेकाम, चरण सिंह धुर्वे, डीलन मरकाम, छत्तर सिंह मरकाम, संजू पंद्रे, अशोक पूषाम, पड़तू पूषाम, हरि दास भाषत, अजय दास भाषत, ग्रामीण मौजूद रहे।

बाघ की खाल के साथ 2 पकड़ाये

भुआबिछिया। वन परिक्षेत्र बिछिया, पूर्व सामान्य वनमण्डल मण्डला अंतर्गत दिनांक 25/10/2025 को रात्रि में मुखबिर की सूचना के आधार पर दो आरोपियों मिस्तर एवं गोविंद निवासी ग्राम भीमपुरी को वन्यजीव बाघ की खाल के साथ विक्रय करते हुए पकड़ा गया है। आरोपियों से पूछताछ के आधार पर एक अन्य आरोपी अग्हन निवासी अतरिया को भी दिनांक 26/10/2025 को पकड़ा गया है। आरोपियों को माननीय न्यायालय बिछिया में प्रस्तुत किया गया है। प्रकरण की विवेचना प्रचलित है।

राज्यस्तरीय मोगली उत्सव में प्रतिनिधित्व करेंगे मंडला जिले के छात्र

जिले की जूनियर एवं सीनियर टीम रवाना

हरिभूमि न्यूज ▶▶| मण्डला

*** क्या स्कूली स्तर पर सिर्फ की गई खानापूर्ति।**

राज्यस्तरीय मोगली बाल महोत्सव में मंडला जिले की जूनियर एवं सीनियर टीमों को बस स्टैंड मंडला में उत्कृष्ट प्रदर्शन हेतु शुभकामनाएं प्रदान कर रवाना किया गया। राज्य स्तरीय मोगली बाल महोत्सव का आयोजन पेंच टाइगर रिजर्व में 27 से 29 अक्टूबर तक किया जा रहा है, जिसमें मध्यप्रदेश के सभी जिलों की जिलास्तर पर प्रथम स्थान प्राप्त टीमें सहभागिता करेंगी।

मंडला जिले से अरमान सोनी (उत्कृष्ट विद्यालय मंडला), अग्रणी उपाध्याय (मोंटफोर्ट सीनियर सेकेंडरी स्कूल मंडला), अंशिका चौरसिया (पी.एम. श्री विद्यालय हिरदेनगर) एवं गीतांश खड़ेलकर (माध्यमिक शाला ढौंको) जिले का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं।

तीन दिवसीय यह आयोजन मध्यप्रदेश शासन, लोक शिक्षण संचालनालय एवं एपीसीओ भोपाल के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित किया जा रहा है। इस दौरान प्रतिभागी नेचर ट्रेल, जंगल सफारी एवं पर्यावरणीय गतिविधियों में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करेंगे।

मार्गदर्शक शिक्षिका के रूप में श्रीमती मंजूषा चौरसिया (शासकीय हायर सेकेंडरी स्कूल हिरदेनगर) उपस्थित रहेंगी।

जिला पर्यावरण शिक्षा प्रभारी एवं एनजीसी मास्टर ट्रेनर अखिलेश उपाध्याय तथा पर्यावरणविद् राजेश क्षेत्री ने जूनियर व सीनियर टीमों का पुष्पमालाओं से स्वागत कर आवश्यक निर्देश प्रदान किए और टीमों को रवाना किया।

इस अवसर पर जिला शिक्षा अधिकारी मुन्नी वरकड़े, सहायक आयुक्त वंदना गुप्ता, सहायक संचालक एल.एस. मसराम, एपीसी मुकेश पांडे तथा शाखा प्रभारी गंगेश्वरी उइके ने प्रतिभागियों को आवश्यक सुविधाएँ प्रदान करते हुए उज्वल भविष्य की शुभकामनाएँ दीं।

निचले स्तर पर कब हुई प्रतियोगितायें सवालों के घेरे में

मोगली बाल महोत्सव का जो आयोजन राज्य स्तरीय होना है और उसके लिये जिला स्तर की टीम चयनित होकर राज्य के लिये रवाना हुई है इसके पूर्व यह महोत्सव स्कूली स्तर से लेकर ब्लॉक स्तर होते हुये जिला स्तर तक आना था लेकिन शिक्षा विभाग के ही सूत्रों की माने तो स्कूल स्तर पर इस तरह के आयोजन नहीं आयोजित किये गये। यदि इस तरह के आयोजन होते तो ग्रामीण क्षेत्रों की बाल प्रतिभायें भी सामने आती उन्हें भी अपनी क्षमता दिखाने का मौका मिलता और शासन का भी यही उद्देश्य कि दूरस्थ ग्रामीण क्षेत्रों में जो हमारी प्रतिभायें हैं जिनमें विभिन्न विधाओं की नैसिंगक प्रतिभायें होती हैं उन्हें सामने लाया जा सके लेकिन बताया जाता है कि इस आयोजन को लेकर स्कूली स्तर से महज औपचारिकता पूरी की गई और शिक्षकों ने जिन बच्चों के नाम आगे बढ़ा दिये उन्हें ब्लॉक स्तर पर होने वाले आयोजन में प्रतिभागी बनाया गया और ब्लॉक के बाद जिले में यह आयोजन पूरी ईमानदारी से आयोजित किया गया लेकिन चयन को लेकर यहां भी संशय की स्थिति बनी रही यदि स्कूल स्तर पर आयोजन हुये हों तो तिथि क्यों नहीं बताई जा रही।

पेस्ट कंट्रोल कर्मचारी की मौत पर परिजनों का हंगामा, प्रशासन की मध्यस्थता से हुआ समझौता

मंडला।

काान्हा नेशनल पार्क स्थित क्लब महिंद्रा रिसोर्ट में पेस्ट कंट्रोल कार्य करने वाले कृष्णा पेस्टकंट्रोल कंपनी के कर्मचारी टंकेश गौतम की मौत के बाद परिजनों ने शनिवार को बम्हनी में हंगामा करते हुए सड़क जाम कर दिया। लगभग 4 घंटे तक चले इस चक्काजाम से यातायात बाधित रहा और स्थिति तनावपूर्ण बनी रही। आखिरकार प्रशासनिक हस्तक्षेप और दोनों पक्षों के बीच मध्यस्थता के बाद देर रात करीब 11:30 बजे समझौता हो गया। जानकारी के अनुसार टंकेश गौतम थर्ड पार्टी कंपनी के माध्यम से रिसोर्ट में कार्यरत थे। शनिवार सुबह उनकी तबीयत बिगड़ने पर रिसोर्ट प्रबंधन द्वारा उन्हें मोचा स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद बम्हनी रेफर किया गया, किन्तु अस्पताल पहुंचने पर डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। इसके बाद परिजन मुआवजे और बच्चों की शिक्षा के लिए स्थायी प्रबंध किए जाने की मांग पर अड़ गए और अस्पताल के सामने धरना देते हुए सड़क जाम कर दी। बढ़ते तनाव को देखते हुए बिछिया एसडीएम सोनाली देव और एसडीओपी मनीष राज मौके पर पहुँचे। कई चरणों की वार्ता के बाद प्रशासन ने समन्वय स्थापित कर क्लब महिंद्रा प्रबंधन से समझौता कराया। सहमति के अनुसार 11 लाख 50 हजार रुपये का मुआवजा तथा बच्चों की शिक्षा के लिए अतिरिक्त सहयोग प्रदान किया जाएगा। इस बीच परिजन क्लब महिंद्रा प्रबंधन द्वारा लिखित आश्वासन दिए जाने पर जोर देते रहे, जिसके अभाव में विवाद और बढ़ गया। आवश्यक दस्तावेज जारी होने के पश्चात मामला पूरी तरह शांत हुआ। नैनपुर एसडीओपी मनीष राज ने बताया कि परिजनों की शंका को दूर करने के लिए प्रशासन ने जिला अस्पताल से मेडिकल टीम बुलाकर पोस्टमार्टम कराया और शव परिजनों को सौंपा गया। क्लब महिंद्रा के मैनेजर विजेंद्र सिंह ने कहा कि कंपनी की नियमानुसार परिजनों को पूरा सहयोग दिया जाएगा। हमें श्री टंकेश गौतम के आकस्मिक निधन से गहरा दुख हुआ है। श्री गौतम, कृष्णा पेस्ट कंट्रोल के कर्मचारी थे, जो हमारे तृतीय-पक्ष पेस्ट कंट्रोल सेवा प्रदाता हैं। 25 अक्टूबर की सुबह, श्री गौतम ने अस्वस्थता की शिकायत की और क्लब महिंद्रा कान्हा रिज़ॉर्ट परिसर से घर जाने के लिए निकले। कुछ समय बाद हमें सूचना मिली कि वे हमारे रिज़ॉर्ट से कुछ दूरी पर गिर पड़े हैं। घटना हमारे परिसर से बाहर होने के बावजूद, हमारी टीम तुरंत वहां पहुँची और सुनिश्चित किया कि उन्हें अस्पताल पहुँचाया जाए। दुर्भाग्यवश, त्वरित चिकित्सा सहायता के बावजूद, उन्हें अस्पताल पहुँचने पर मृत घोषित कर दिया गया। हालांकि वे हमारे कर्मचारी नहीं थे और यह घटना हमारे रिज़ॉर्ट से दूर हुई, फिर भी हम उनके परिवार को हर संभव सहायता प्रदान कर रहे हैं। हम सभी संबंधित मामलों में स्थानीय प्रशासन के साथ पूरी पारदर्शिता और सहयोग के साथ कार्य कर रहे हैं। हमारे अतिथियों, कर्मचारियों, साझेदारों और जिन स्थानीय समुदायों में हम कार्य करते हैं, उनकी सुरक्षा और कल्याण हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है। हम अपने सभी रिज़ॉर्ट संचालन में सुरक्षा, देखभाल और अनुपालन के सर्वोच्च मानकों को बनाए रखते हैं।

कोदो कुटकी उपार्जन के लिए पंजीयन अवधि 31 अक्टूबर तक बढ़ाई गई

मण्डला। रानी दुर्गावती श्री अन्न प्रोत्साहन योजना अंतर्गत श्री अन्न प्रोत्साहन कंसोर्टियम ऑफ फार्मर प्रोड्यूसर कंपनी लिमिटेड द्वारा 16 जिलों (जबलपुर, कटनी, मंडला, डिंडोरी, छिंदवाड़ा, शहडोल, अनूपपुर, उमरिया, रीवा, सीधी, सिंगरौली, मैहर, सतना, मऊगंज, बालाघाट एवं सिवनी) में कोदो एवं कुटकी उपार्जन किया जाना है। खरीफ वर्ष 2025 में ई-उपार्जन पोर्टल पर 10 अक्टूबर से 24 अक्टूबर 2025 तक कोदो एवं कुटकी के उपार्जन के लिए पंजीयन किये जाने का निर्णय लिया गया था। जिलों में पर्याप्त संख्या में पंजीयन नहीं होने के कारण, कृषकहित को दृष्टिगत रखते हुए कोदो कुटकी उपार्जन के लिए पंजीयन अवधि 31 अक्टूबर 2025 तक बढ़ाई गई है।

महाराजपुर आंगन तिराहा से कारीकोन तक बना ब्लैक स्पॉट

हरिभूमि न्यूज ▶▶| मण्डला

साईनाथ पेट्रोल पंप महाराजपुर के सामने दो मोटरसाइकिल वाहन के आपस में सीधे टकराने के बाद सड़क दुर्घटना में दो युवक बुरी तरह घायल हो गए हैं जिन्हें चिकित्सा के लिए जिला अस्पताल पहुंचाया गया है इस घटना के बाद फिर सवाल खड़े हो गए हैं कि आंगन तिराहा से लेकर कारीकोन तक का क्षेत्र इन दिनों सड़क दुर्घटनाओं का पर्याय बन चुका है। यह इलाका यातायात की दृष्टि से अत्यंत खतरनाक हो गया है, जहां अब तक कई बड़ी घटनाएं हो चुकी हैं। साईनाथ पेट्रोल पंप के पास दुर्घटनाएं होना तो अब आम बात बन गई है। पेट्रोल पंप से पेट्रोल लेकर निकलते समय वाहनों की दिशा स्पष्ट नहीं होने से टकराव की स्थिति बनती रहती है। यह क्षेत्र अब ब्लैक स्पॉट के रूप में चिन्हित किया जा चुका है।

रात के समय हालात और भी भयावह हो जाते हैं। पेट्रोल पंप में पर्याप्त रोशनी नहीं है, और सड़क के केवल एक ओर ही पूरे मार्ग में स्ट्रीट लाइट लगी है। अंधेरे और तेज रफ्तार का यह मेल कई दुर्घटनाओं का कारण बनता है। आंगन तिराहा से कारीकोन तक वाहनों की रफ्तार अनियंत्रित रहती है। यह क्षेत्र खुला और समतल होने के कारण चालक अक्सर गति सीमा का पालन नहीं करते, जिससे नियंत्रण खोकर हादसे घटते हैं। महाराजपुर थाने से लेकर पुराने आरटीओ कार्यालय तक बने डिवाइडर भी दुर्घटनाओं का बड़ा कारण रहे हैं। घटनाओं के बाद कुछ हिस्से का डिवाइडर तोड़े गए, लेकिन आगे के हिस्सों में यह अब भी बने हैं, जो रात में दृष्टिगोचर नहीं होते। कोहरे के मौसम में ये और भी खतरनाक साबित होते हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि प्रशासन, यातायात विभाग और नगरपालिका कई बार घटनाओं के बाद मौके का निरीक्षण तो करते हैं, लेकिन स्थायी सुधार अब तक नहीं किए गए हैं। ब्लैक स्पॉट क्षेत्र में स्पीड ब्रेकर, रिफ्लेक्टर और चेतावनी संकेतक लगाए जाएं, पूरे मार्ग पर दोनों तरफ स्ट्रीट लाइट व्यवस्था लगाई जाए, भारी वाहनों पर पूर्व की तरह प्रतिबंध लागू किया जाए। जनता का कहना है कि यदि प्रशासन इस ओर अब भी नहीं चेता, तो आने वाले दिनों में यह क्षेत्र और भी बड़ी दुर्घटनाओं का केंद्र बन सकता है।

नेत्रहीन कलाकारों के ग्रुप ने भजन गायन कर सभी का मोहा मन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| मण्डला/भुआबिछिया

विश्व हिन्दू परिषद के द्वारा आयोजित नगर बिछिया में विगत दिनों रात्रि में उड़ीसा राज्य से आए हुए नेत्रहीन कलाकार (जीवन नेत्रहीन ग्रुप) द्वारा वार्ड नं. 04 खेरमाई मंदिर प्रांगण, बिछिया में भजन संध्या का भव्य आयोजन हुआ। धार्मिक भजनों, देशभक्ति गीतों, छत्तीसगढ़ी भाषा में भजन गायन कर जीवन नेत्रहीन ग्रुप ने सभी नगरवासियों का मन मोह लिया। सर्वप्रथम जीवन नेत्रहीन ग्रुप के सभी भाई बहन गायक गायिकाओं का स्वागत विश्व हिन्दू परिषद (बजरंग बल), खेरमाई मंदिर समिति तथा नगर के धर्मप्रेमी बंधुओं द्वारा किया गया। उसके बाद भगवान गणेश की आराधना से भक्ति कार्यक्रम प्रारंभ हुए। कार्यक्रम में नगर के वरिष्ठजन पी.एल. दीक्षित, शिवकुमार साहू, आलोक दीक्षित, रामकिशोर सोनी, विश्व हिन्दू परिषद से जिला उपाध्यक्ष आजाद चौबे, नगर अध्यक्ष (विहिप) सचिन तेकाम, मातृशक्ति जिला संयोजिका बबीता दीदी, नगर परिषद अध्यक्ष रजनी मरावी, रिटायर्ड एएसआई विश्राम सिंह मार्को, विवेक कुमार पाण्डेय, संजू ठाकुर, खेरमाई मंदिर समिति से विजय रजक, श्रीराम नंदा, सोनू रजक सोनल अग्रवाल तथा सहयोगी बंधु पप्पू सोनी, सतन साहू शरद डेहरिया, छोटू मार्को, विमल चौधरी, अतुल राजपूत, मंजू ठाकुर, अजीत हरदहा, मातृशक्तियों से कृष्णा जंघेला, रजनी तेकाम, बीना झरिया, कौशल्या तेकाम, सुनीता कसार सहित नगर की सभी मातृशक्ति एवं धर्मप्रेमी बंधु उपस्थित रहे। कार्यक्रम का मंच संचालन सामाजिक कार्यकर्ता विवेक कुमार पाण्डेय ने तथा आभार प्रकटन नगर परिषद अध्यक्ष श्रीमती रजनी मरावी ने किया। खेरमाई मंदिर बिछिया के पूर्व नगर के धर्मप्रेमी बंधुओं ने बंजारी धाम, विनोद रंगमंच, वेयर हाउस कॉम्प्लेक्स में अलग अलग स्थानों पर इन नेत्रहीन कलाकारों के आयोजन करवाए। उड़ीसा के नवरंगा जिले से आए हुए नेत्रहीन कलाकार लिंगराज पटनायक, लिपू जेना, अच्युत भोई, प्रशांत बैरा, लक्ष्मी जेना, कादंबरी बैरा ने बताया कि हमारे उड़ीसा के नवरंगा जिले में नेत्रहीन लोगों के लिए संगीत तथा अन्य विधाओं के लिए स्कूल संचालित है, जहां सभी विभिन्न प्रकार की कलाओं का अभ्यास करते हुए देश के कोने कोने में जाकर चलित धार्मिक गायन आयोजित करते हैं एवं हमारी कोई फीस नहीं होती, दानपेटी साथ में लेकर चलते हैं, जिसकी जो स्वेच्छा है, वह धर्मप्रेमी हमें दान करते हैं, जिससे हमारे जीवन का भरण पोषण होता है। इस प्रकार बहुत ही कम वाद्य यंत्रों में, कम सुविधाओं में उड़ीसा के नेत्रहीन कलाकारों द्वारा भक्तिगीतों की अद्भुत प्रस्तुति की गई, जिससे नगर भुआ बिछिया का माहौल भक्तिमय हुआ। इनके भक्तिगीतों और देशभक्ति गायन ने नगरवासियों के मन को जीत लिया।

लोधी क्षत्रीय समाज एवं आलोक की बैठक सम्पन्न...........

मण्डला। माहिष्मति घाट के गोंड़ी पब्लिक ट्रस्ट भवन पर विगत दिवस जिला लोधी क्षत्रीय समाज एवं अखिल भारतीय लोधी- लोधा अधिकारी कर्मचारी संघ (आलोक) मण्डला की संयुक्त बैठक आयोजित की गई जिसमें दोनों संगठनों की नवीन कार्यकारिणी का गठन आपसी विचार विमर्श से किया गया। जिसमें लोधी क्षत्रीय समाज के महिला प्रकोष्ट की जिम्मेदारी त्रिवेणी जंघेला (ग्वारा) एवं युवा प्रकोष्ट की जिम्मेदारी शैलेष सिंह सिंगरौरे (महाराजपुर) को सौंपी गई एवं आगामी 30 नवम्बर को लोधी प्रतिभा सम्मान एवं युवक/युवती परिचय सम्मेलन का भव्य आयोजन बम्हनी बंजर के चक्रवर्ती मैरिज गार्डन में आयोजित करने का निर्णय लिया गया। कार्यक्रम में जीएसटी कमिश्नर जबलपुर लोकेश लिल्हारे एवं दो बार पैदल नर्मदा परिक्रमा कर चुकी अपराजिता आईएएस एकेडमी दिल्ली की डायरेक्टर श्री रामकथा वाचक साध्वीं राधिका पटेल व नोएडा के प्रख्यात श्रीमद् भागवद् कथा वाचक आचार्य श्री हरगोविन्द महाराज समेत प्रदेश व देश के प्रतिभाशाली स्वजातीय अतिथि सिरकत करेंगे। इस कार्यक्रम में जिले के स्वजातीय छात्र/छात्राएं जो वर्ष 2025 में 75 प्रतिशत व इससे अधिक अंक अर्जित कर कक्षा 10वीं एवं 12वीं में उत्तीर्ण हुए हैं उनको सम्मानित किया जायेगा। साथ ही वर्ष 2025 में शासकीय सेवा में नवनियुक्त व सेवानिवृत्त अधिकारी/कर्मचारी एवं नवोदय विद्यालय/नीट विशेष परीक्षाओं व समाज हितेषी अन्य उपलब्धि प्राप्त लोगों को भी सम्मानित किया जायेगा। साथ ही समाज के 75 वर्ष प्लस आयु के वृध्दजनों को भी सम्मानित किया जायेगा। इस कुशल आयोजन के लिए शम्भू प्रसाद दादी जंघेला व अशोक ठाकुर को कार्यक्रम का संयोजक नियुक्त किया गया है। जिला लोधी क्षत्रीय समाज के अध्यक्ष कन्हैया ठाकुर एवं आलोक के जिला अध्यक्ष राजेश लोधी द्वारा सभी प्रतिभावान जनों से आग्रह किया है कि ऐंसे सभी लोग अपनी उपलब्धि के प्रमाण पत्र/अंकसूची/आधार कार्ड की छायाप्रति व मो. नं. जिला महासचिव हरि ठाकुर एवं एरावत ठाकुर (मोनू) के मो.नं. 9425164063, 9009612977 पर व्हॉट्सएप पर अपना पंजीयन दिनांक 25 नवम्बर तक अनिवार्य रूप से करवा लें इसके उपरान्त स्वीकार नहीं किए जायेंगे।

कार्यक्रम | **ईमानदार और संघर्षशील कार्यकर्ता को मिली एक नई पहचान।**

प्रतिमा अनावरण कार्यक्रम में पहुंचे छत्तीसगढ़ के मंत्री

*** पूर्व सांसद की प्रतिमा का लोकार्पण कार्यक्रम।**

हरिभूमि न्यूज ▶▶| मण्डला

शनिवार को घुघरी जनपद पंचायत की ग्राम पंचायत बम्हनी भाजपा मंडल सलवाह के अंतर्गत स्व. श्यामलाल धुर्वे पूर्व सांसद की प्रतिमा का लोकार्पण किया गया। इस अवसर पर पूर्व केंद्रीय मंत्री एवं सांसद फग्गन सिंह कुलस्ते, छत्तीसगढ़ शासन के मंत्री केदार कश्यप, भाजपा जिला अध्यक्ष प्रफुल्ल मिश्रा, जिला पंचायत अध्यक्ष संजय कुशराम, बिछिया विधायक नारायण सिंह पट्टा, पूर्व विधायक पंडित सिंह धुर्वे, जनपद अध्यक्ष जनिया बाई, भाजपा मंडल अध्यक्ष सलवाह राजकुमार चौकसे मुख्य रूप से उपस्थित रहे। कार्यक्रम के पूर्व स्वर्गीय श्याम लाल धुर्वे की प्रतिमा पर माल्यार्पण करते हुए जयकारे लगाए गए और परिजनों का सम्मान किया गया। मंचासीन अतिथियों के स्वागत उपरांत उपस्थित मुख्य अतिथि मंत्री केदार कश्यप ने कहा कि मप्र और छत्तीसगढ़ भले ही विभाजित हो गया हो लेकिन हमारी विचारधारा बोलचाल आज भी एक सी है उन्होंने कहा कि उनके पिता इस क्षेत्र से मंत्री रहे हैं उनका यहां से पुराना नाता है। स्वर्गीय श्याम लाल धुर्वे नेक सज्जन और ईमानदार नेताओं में पहचाने जाते थे। स्व. श्यामलाल धुर्वे जी को याद करते हुए उन्होने कहा कि उनकी प्रतिमा क्षेत्रवासियों को सदैव जनसेवा और सादगीपूर्ण जीवन जीने की प्रेरणा देती रहेगी। आदिवासी समाज के चिर परिचित नेतृत्वकर्ता और भूतपूर्व सांसद व विधायक रहे। वहीं पूर्व केन्द्रीय मंत्री सांसद फग्गन सिंह कुलस्ते ने कहा कि भाजपा सरकार विकास के साथ अपने वरिष्ठों का भी सम्मान करती है। भले ही स्वर्गीय श्याम लाल धुर्वे हमारे बीच नही हैं लेकिन आज उनको सच्ची श्रृद्धांजलि दी जा रही है। उनकी प्रतिमा की स्थापना उनके गृहग्राम में होने से क्षेत्र का मान बढ़ेगा। एक ऐसा व्यक्तित्व जिसने विषम परिस्थतियों में भी अपने उद्देश्यों से समझौता नही किया और साधन विहीन होने के बाद के बाद भी वे क्षेत्र के विकास को लेकर काम करते रहे इस दौरान भाजपा जिला अध्यक्ष प्रफुल्ल मिश्रा ने कहा कि भाजपा कार्यकर्ताओं की पार्टी है और पार्टी अपने कार्यकर्ता का सम्मान करना कभी नही भूलती उसी का उदाहरण आज हम सब देख रहे हैं कि एक ऐसा कार्यकर्ता जिसने जमीनी स्तर से राजनीति आरंभ की और विधायक, सांसद जैसे पद में आसीन हुए आज उन्हें हम सच्ची श्रृद्धांजलि दे रहे है इस दौरान उन्होनें सांसद श्रीकुलस्ते का भी आभार व्यक्त किया है। यह कार्यक्रम भाजपा मंडल सलवाह के सहयोग से आयोजित किया गया था। संसदीय क्षेत्र के अंतर्गत घुघरी क्षेत्र के निकटस्थ ग्राम बम्हनी के एक छोटे से गांव में श्याम लाल धुर्वे का जन्म 25 अक्टूबर 1934 को हुआ। श्री धुर्वे 1972 से 1977 तक विधायक रहे तत्पश्चात 1977 से 1979 तक सांसद पद पर आसीन रहे। श्री धुर्वे का देहावसान 21 फरवरी 1997 को हुआ लगातार धुंधलाती जा रही राजनीति के परिदृश्य में अनेक चमकदार किरदार भी हुए हैं हमारी इस नर्मदा पटटी पर जिस पर हम सदैव गर्व कर सकते हैं ऐसे बिरले उदाहरणों में एक नाम हमें सदैव स्मरण रहेगा वो नाम है स्वर्गीय श्यामलाल धुर्वे का विपन्न और साधनहीन ग्रामीण कृषक आदिवासी परिवार में जन्मे और तत्कालीन जनसंघ जनता पार्टी और वर्तमान की भारतीय जनता पार्टी में सांसद जैसे अहम पद तक आगे कदम बढ़ाये पर अपनी जमीनी सरलता ईमानदारी और सेवा भाव का जज्बा कभी कम नहीं होने दिया विधायक और सांसद निर्वाचित होने तक के उनके राजनैतिक सामाजिक सफर में कई यादगार लम्हें उनके उत्कृष्ट व्यक्तित्व के साक्षी बने जिनमें से कुछ का उल्लेख समीचीन होगा सांसद पद की शपथ में जाने हेतु उनके पास तो नंगे पैरों में जूते भी नहीं थे। किफायती प्लास्टिक के बरसाती जूते खरीदकर भी चेहरे में संतोष और आत्मविश्वास से भरी झलक भुलाई नहीं भूलती।

आत्मनिर्भर भारत संकल्प अभियान के तहत भाजपा कार्यकर्ताओं की बैठक

*** महिला एवं युवा सम्मेलन में भाजपा करेगी सम्मान।**

हरिभूमि न्यूज ▶▶| मण्डला

भारतीय जनता पार्टी जिला मंडला के तत्वावधान में रविवार को भारतीय जनता पार्टी कार्यालय मंडला में आत्मनिर्भर भारत संकल्प अभियान के अंतर्गत आगामी युवा सम्मेलन की तैयारी को लेकर भाजपा युवा मोर्चा की महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता जिला अध्यक्ष प्रफुल्ल मिश्रा ने की, वहीं संचालन जिला महामंत्री नरेश चंद्रौल एवं भाजपा युवा मोर्चा जिला अध्यक्ष आशीष झारिया के नेतृत्व में बैठक संपन्न हुई। बैठक में आत्मनिर्भर भारत संकल्प अभियान के तहत आयोजित होने वाले विविध कार्यक्रमों पर विस्तार से चर्चा की गई। बताया गया कि इस अभियान के अंतर्गत स्वदेशी विषय पर व्यापारियों एवं लघु उद्योग से जुड़े उद्यमियों का सम्मेलन आयोजित किया जाएगा। सम्मेलन में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के "वोकल फॉर लोकल" अभियान पर विस्तृत चर्चा होगी। इसके साथ ही महिला सम्मेलन और युवा सम्मेलन भी आयोजित किए जाएंगे, जिसमें स्थानीय स्तर पर आत्मनिर्भरता की दिशा में किए जा रहे कार्यों की समीक्षा एवं आगामी योजनाओं की रूपरेखा तय की जाएगी। जिला अध्यक्ष श्री मिश्रा ने कहा कि "आत्मनिर्भर भारत का संकल्प तभी साकार होगा जब हर युवा और हर नागरिक स्वदेशी उत्पादों के प्रयोग को अपनाएगा। उन्होंने सभी मोर्चा कार्यकर्ताओं से अभियान की सफलता हेतु बूथ स्तर तक संगठन को सक्रिय करने का आह्वान किया। बैठक के दौरान अजीत सिंहानी, मंगलेश चक्रवर्ती, सर्वज्ञ सोनी, रहीश गोलू ठाकुर,उत्कर्ष यादव, नीलूश शुक्ला, साहिल तेकाम, गणेश भांवरे, शिवम हरदहा, अनुराग कार्तिकेय, अश्विनी सोनी, सावन नीखर, दीपांशु दुबे, ब्रजेश गोमास्ता, राहुल यादव सहित युवा मोर्चा के कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

छठ महापर्व के पावन अवसर पर भारतीय जनता पार्टी ने व्रतधारी माताओं-बहनों और श्रद्धालुओं के सम्मान का निर्णय लिया है। यह आयोजन मंडला के माहिष्मती घाट (मां नर्मदा तट) पर सामूहिक रूप से किया जाएगा। जिला अध्यक्ष श्री प्रफुल्ल मिश्रा ने बताया कि छठ पर्व सूर्य उपासना का महान उत्सव है, जो आस्था, तपस्या और स्वच्छता का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि "भाजपा सदैव भारतीय संस्कृति और परंपराओं के सम्मान में आगे रही है। इस वर्ष छठ पर्व पर सभी व्रतधारियों का सम्मान कर पार्टी इस महान परंपरा में अपनी श्रद्धा अर्पित करेगी। साथ ही छठ पूजा के अवसर पर स्मृति घाट परिसर में भजन संध्या कार्यक्रम का भी आयोजन किया जाएगा, जिसमें उड़ीसा से आए कलाकारों का अपनी भक्ति संध्या प्रस्तुत करेगा। यह कार्यक्रम सूर्यास्त के उपरांत आयोजित होगा, जहां नर्मदा तट पर भक्तिरस से ओतप्रोत वातावरण रहेगा।

खबर संक्षेप

स्टेट बैंक शाखा के सामने की सड़क बनी पार्किंग स्थल, वाहन चालकों को हो रही परेशानी

हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा। शहर की स्टेट बैंक शाखा की आधी सड़क वर्तमान में पार्किंग स्थल के रूप में तब्दील होकर रह गयी है। हालत यह है कि स्टैट बैंक में पार्किंग व्यवस्था के अभाव के चलते इस बैंक में आने वाले उपभोक्ता मनमर्जी से कही भी बेतरतीब ढंग से अपने वाहन खड़े कर देते है और रोज स्टैट बैंक शाखा के सामने वाहनों का जमावड़ा लगने से राहगीरो को आवागमन में असुविधा करने मजबूर होना पड़ता है और आटो, दो पाहिया वाहन चालकों को अपने वाहन निकालने में दिक्कत होती है, गौरतलब है कि नगर की स्टेट बैंक शाखा के सामने की सडक व्यस्ततम मानी जाती है, स्टेट बैंक शाखा के बाजू में नपा., शिक्षा संस्थाओं में जाने वाला रास्ता है और इसी मार्ग से लोग पानी की टंकी के पास लगने वाले सब्जी बाजार पहुंचते है, ऐसे में स्टैट बैंक के सामने अव्यवस्थित तरीके से वाहन खड़े रहने से शहरवासियो कों भारी परेशानी हो रही है, बैंक ग्राहकों का कहना है कि नगर की स्टेट बैंक शाखा वर्षो पुरानी है पर दुर्भाग्य की बात है कि अभी तक उसकी खुद की पार्किंग व्यवस्था नही बन पायी है, जिसके कारण न चाहते हुए भी बैंक ग्राहक सड़के किनारे अपने वाहन खडे कर देते है। ज्ञातव्य है कि स्टेट बैंक के सामने खड़े रहने वाले बैंक उपभोक्ताओं के वाहन उस दौरान असुरक्षित रहते है, जब वे बैंक के भीतर अपना काम कराने में व्यस्त रहते है, साथ ही वाहन चालकों को उनके वाहन चोरी जाने की आशंका भी बनी रहती है।

किसानों की खेतों में खड़ी धान फसल खराब होगी तो चना, मसूर सहित गेंहू की बोनी होगी प्रभावित

बेमौसम बारिश ने अन्नदाता को फिर डाला संकट में

हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा।

क्षेत्र का किसान जिस प्रकार से बीते हुये कुछ वर्षो से लगातार प्रकृति की मार झेलते हुये परेशानियों से जूझते हुये किसी भी प्रकार से खेती करते हुये देखा जा रहा है। क्योंकि इस साल देखा जावे तो देर तक चले बारिश के दौर के कारण जहां किसानों के खेती बाड़ी के कार्य प्रभावित होने से नही चूक पाये है। मगर नवरात्र के बाद जिस तरह मौसम साफ दिखाई दे रहा था उससे किसानों को उम्मीद थी की शायद अब भगवान की मेहरवाहनी हो जावेगी और व अपने खेतों में खड़ी हुई धान फसल की कटाई करने के साथ अपने खेतों में चना, मसूर सहित गेंहू की फसल बोने के लिये तैयार कर लेगा। मगर अन्नदाता की इस सोच पर ग्रहण लगते हुये दिखाई देने से नही चूक पा रहा है। क्योंकि बीते हुये दो दिनों से आसमान पर छाये हुये बादलों के बीच रविवार को सुबह से शुरू हुई रिमझिम बारिश से अति उस समय कर दी जब शाम के समय लगातार एक घंटे तक हुई झमाझम बारिश के चलते जहां सड़के जल मग्न होने से नही चूक पाई है। वही दूसरी ओर देखा जावे तो किसानों के खेतों में खड़ी हुई धान फसल के खेतों में अभी बारिश के दिनों का पानी नही सूख पाया था जिसका किसान इंतजार करते हुये देखे जा रहे थें कि खेत सूख जावे और वह अपने खेतों में धान फसल की कटाई शुरू कर देवे। मगर रविवार को धान वाले खेतों में फिर पानी भर जाने के कारण अब एक सप्ताह तक धान कटना मुश्किल हो गया है। यदि बारिश का दौर कुछ दिनों तक इस तरह लगातार चलता रहा तो निश्चित की किसानों के सामने परेशानियाँ खड़ी होने से नही चूक पायेगी..? हर साल देखा जाता था कि किसानों की धान फसल सितम्बर माह में कटकर खेत खाली हो जाते थें। वही अक्टूबर माह में अपने खेतों में चना, मसूर, गेंहू सहित अन्य फसलों की बोनी करके फुर्सत हो जाता था और गन्ने की कटाई शुरू कर देता था। मगर इस साल हाल यह बना हुआ है कि अक्टूबर माह समाप्ति की ओर है। मगर किसानों के खेतों से धान ही नही कट पाई है। क्योंकि बारिश का मौसम दूर देर तक चलने के कारण जहां खेत सूख नही पाये है। क्योंकि बैमौसम हो रही बारिश ने किसानों को एक बार फिर परेशानियों में डाल दिया गया है। इस तरह हो रही बेमौसम बारिश के चलते जहां धान फसल खराब होने से नही बच पायेगी। वही दूसरी ओर किसानों की चना, मसूर सहित गेंहू की बोनी का कार्य प्रभावित होने से नही बच पायेगा। वही बारिश के चलते गन्ना कटाई का कार्य भी प्रभावित होने से नही बच पायेगा। इस तरह प्रकृति की मार से क्षेत्र का अन्नदाता लगातार परेशान होने से नही बच पा रहा है। रविवार की सुबह आसमान पर अचानक काले बादल छाते हुये बैमौसम बारिश का दौर शुरू हुआ जिसने चल रहे कार्तिक माह में सावन की झड़ी का अहसास कराने में कोई कसर नही छोड़ी जा रही है। इस तरह बैमौसम बारिश अन्नदाता के मांथें पर फिर चिंता की लकीर ला दी गई है। क्योंकि खेतों में इतना पानी भर जाने के कारण उनके खेत सूखने में काफी दिन लगने से नही चूक पायेगे। इस स्थिति में उनकी बोनी लेट होने के कारण उनकी पैदावार प्रभावित होने से नही बच पायेगी। यदि किसान अपने खेतों में देरी से बोनी करेगा तो उसकी फसल तैयार होते होते निश्चित तौर से अप्रैल मई माह तक पहुंच जावेगी। जब तेज तपन के चलते फसलों की पैदावार प्रभावित होने से नही बच पायेगी? कुछ इसी प्रकार का हाल गन्ना उत्पादक किसानों का देखने मिल रहा है। क्योंकि दीवाली के बाद से किसानों की गन्ना कटाई व पिराई का कार्य चालू हो जाता है। मगर बैमौसम हो रही बारिश के चलते खेत खेत सूख नही पा रहे है। इस स्थिति में गन्ना की कटाई व पिराई का कार्य भी प्रभावित होने से नही चूक पा रहा है। इस संबंध में जब क्षेत्र के किसानों से हमारी हरिभूमि टीम से चर्चा की गई तो क्षेत्र के ग्राम महगंवा चिर्रिया निवासी युवा कृषक सुधीर कौरव के अनुसार इस वर्ष प्रकृति ने जिस प्रकार से खेल खेला गया है उसके चलते निश्चित किसानों को अनेक प्रकार की परेशानियों का सामना करने के लिये मजबूर होना पड़ा है। क्योंकि जब किसानों को खाद व अन्य सामग्री की जरूरत होती है तो वह आसानी से नही मिल पाता है। मगर किसी भी प्रकार से वह खेती करने में लगा है तो प्रकृति की मार बेहाल करने से नही चूक रही है। इसी प्रकार से ग्राम भौरझिर निवासी कृषक तुलसीराम राठौर का कहना है कि ठंड का मौसम स्वास्थ्य और फसलो के लिए बेहतर माना जाता है। मगर बीते हुये दिनों हुई बेमौसम बारिश ने जहां किसानों द्वारा की जा रही चना, मसूर सहित अन्य प्रकार की बोनी के कार्य को प्रभावित करने में कोई कसर नही छोडी गई है। क्योंकि रविवार को हुई बारिश के चलते किसानों द्वारा बोनी करने के लिये तैयार किये जा रहे अपने खेतों में पानी भरने के कारण अब उन्हें सूखने में काफी समय लगेगा

इससे निश्चित किसानों की बोनी का कार्य प्रभावित होने से नही बच पायेगा। वही ग्राम महगंवा कला निवासी कृषक राजाराम कौरव का कहना है कि बीते हुये गर्मी सीजन में किसानों द्वारा बड़ी उम्मीदों के साथ अपने खेतों में मूंग फसल लगाई गई थी। मगर सरकार द्वारा शुरूआती तौर से समर्थन मूल्य पर खरीदने में की गई आना कानी के चलते किसानों द्वारा खुले बाजार में विक्रय करने के लिये मजबूर होना पड़ा था। वही जब खरीदी शुरू की गई तो अधिकांश किसान अपनी मूंग फसल का विक्रय कर चुके थें। वही अब किसानों को चना, मसूर सहित गन्ना फसल से उम्मीदे लगी है। मगर प्रकृति की मार से बेहाल होने के लिये मजबूर होना पड़ रहा है। इसी प्रकार से ग्राम बांसखेडा निवासी युवा कृषक महेश पटैल का कहना है कि क्षेत्र का किसान मुश्किलों के प्रहार तो किसी तरह झेल लेता है। मगर मौसम की मार उसके लिए असहनीय होती है। पहले क्षेत्र का किसान प्राकृतिक आपदा से पीडित हुआ है। जब भी वह अपने खेतों में फसल लगाता है तो उसको प्रकृति की मार बेहाल करने से नही चूकती है। कुछ इसी प्रकार की सच्चाई इस समय हो रही बेमौसम बारिश के चलते देखने मिल रही है।

पुलिस ने नगर के अलग अलग 8 स्थानों पर छापे मारते हुये 40 जुआरियों से जप्त की गई 35 हजार से अधिक की राशि

हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा।

हर साल देखा जाता है कि दीवाली के अवसर पर संपूर्ण क्षेत्र में बड़े स्तर पर जुंआ का अवैध कारोबार संचालित होने से नही चूकता है। इसी बात को ध्यान में रखते हुये जिला पुलिस अधीक्षक ऋषिकेश मीना द्वारा सभी थाना प्रभारियों के दीवाली के अवसर चलने वाले जुंआ पर सख्त की कार्यवाही करने के आदेश जारी किये जाने के चलते उप पुलिस अधीक्षक रत्नेश मिश्रा के मार्ग दर्शन में टी आई विक्रम रजक की टीम द्वारा क्षेत्र में पैनी नजर रखते हुये धनतेरस के दिन से ही छापेमार कार्यवाही करते हुये 8 स्थानों से 40 जुंआरियों को पकड़ते हुये उनके पास से ताश पत्ता सहित 35860 रूपया से अधिक की राशि जप्त की गई। इस संबंध में पुलिस थाने से मिली जानकारी के अनुसार समीपस्थ सिहोरा पुलिस चौकी क्षेत्र के अंतर्गत राम स्वरूप पिता मानक लाल लोधी ग्राम पचामा, भगवानदास पिता ओम प्रकाश नामदेव, ललता प्रसाद पिता खुशीराम लोधी दोनों निवासी अजंसरा, लखन पिता नारायण वर्मा खिरिया को जुंआ खेलते हुये पकड़कर इनके पास से ताश पत्ता सहित नगदी 1780 रूपया तथा नगर के चीचली रेलवे गेट के समीपस्थ लाल कहार पिता सुरेश कहार रेलवे कालोनी, दिनेश पिता राम लाल, मंगल पिता कन्हैया लाल राजेन्द्र बाबू वार्ड, दीप पिता श्याम लाल ठाकुर महाराण प्रताप वार्ड, अशोक पिता कुबरमन गांधी वार्ड के पास से ताश पत्ता व नगदी 3200 रूपया तथा कांच मंदिर के समीप प्रफुल पिता शिव लाल गडेवाल, अन्नू पिता शिव कुमार कश्यप मरघट मुहल्ला, पलाश पिता राकेश छीपा सांई कालोनी, अनुराग पिता विजय, राहुल पिता संतोष राय जमादा रोड, सुनील पिता भैरव मिश्रा राजेन्द्र बाबू वाड़ को भी जुंआ खेलते हुये पकड़कर ताश पत्ता व नगदी 3000 व नगर की अशोक विहार कालोनी में शिव कुमार पिता परषोत्तम पटैल इंद्रा कालोनी, ब्रजेश पिता अमोल सेन आजाद वार्ड, अनिल पिता हेमराज कौरव प्रतिभा कालोनी, अनिल पिता नारायण कहार एमपीईबी कालोनी के पास से ताश पत्ता व नगदी 2100 रूपया तथा सालीचौका चौकी के अंतर्गत ग्राम मारेगांव में मोहित पिता प्रहलाद वर्मा, मोहित उर्फ दूल्हा पिता राम किशोर यादव, रूप बसंत उर्फ अनीष पिता नारायण वर्मा के पास से भी पुलिस द्वारा ताश पत्ता सहित नगदी 6680 रूपया तो नगर के चौकी मुहल्ला भगत सिंह वार्ड में विक्रांत पिता सुजीत राजपुत व सात्रुहन पिता इंदर राजपुत दोनों भगत सिंह वार्ड, आकाश पिता मुकेश श्रीवास नरसिंह वार्ड, लखन पिता रत्नेश मिश्रा जगदीश वार्ड, अनिल पिता हर गोविंद रजक के पास से ताश पत्ता व नगदी 3200 रूपया एवं नगर के आचार्य कालोनी के निर्माणाधीन मकान में सलमान पिता अब्दुल मंसूरी जवाहर वार्ड, सुरेन्द्र पिता संतोष मेहरा राजेन्द्र बाबू वार्ड, विष्णु पिता कल्लू कुशवाहा जगदीश वार्ड, बहीद पिता शहीद खान, रशीद पिता हफीज खान दोना शास्त्री वार्ड के पास से ताश पत्ता व नगदी 8400 रूपया वही ब्रजेश पिता प्रेमनारायण पटैल चौकी मुहल्ला, सुशील पिता रेवाराम चौरासिया, सचिन पिता दयाचंद छीपा नदी मुहल्ला, साबिर पिता जुम्मन खान करेली, अरमान पिता हल्के ठाकुर बनखेडी गरधा, नीतेश पिता प्रेम नारायण कुर्मी शुभाष वार्ड के पास से ताश पत्ता सहित नगी 7500 रूपया जप्त किये गये। इसी प्रकार से समीपस्थ सांईखेड़ा पुलिस द्वारा भी सांईखेड़ा गुप्ता पेट्रोल पंप के पास मलखान पिता प्रेम रजक, धमेन्द्र पिता हल्के भैया चौधरी, गोविंद पिता कैलाश कुशवाहा, राकेश पिता मूलचंद केवट सभी निवासी सांईखेड़ा को पकड़ते हुये इनके पास से ताश पत्ता सहित नगदी 600 रूपया जप्त करते हुये आरोपियों के खिलाफ धारा 13 जुंआ एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया है।

दीवाली मिलन समारोह के साथ ब्रम्हमाकुमारी आश्रम में कुसुम दीदी ने पत्रकारों की चुनौतियों पर डाला प्रकाश

हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा

स्थानीय ब्रम्हाकुमारी आश्रम सेवा केन्द्र में रविवार को दीवाली मिलन समारोह के साथ साथ पत्रकारिता के दौरान चुनौतियों पर काव्यगोष्ठी का आयोजन किया गया। इस मौके पर नगर के अनेक पत्रकारों के आलवा आश्रम से जुड़े हुये लोग मौजूद थें। कार्यक्रम के दौरान संस्था की संचालिका कुसुम दीदी सहित उर्मिला दीदी द्वारा नगर के सभी पत्रकारों को दीवाली की बधाई देते हुये सम्मानित किया गया। वही दूसरी ओर पत्रकारिता के क्षेत्र में किस तरह की चुनौतियों का सामना करना पड़ता है। इस पर मौजूद वरिष्ठ पत्रकार कुशेलन्द्र श्रीवास्तव द्वारा प्रकाश डालते हुये कहा कि आज के समय में पत्रकारिता पहले जैसी नही रही है। आज की पत्रकारिता में हमारे पत्रकार साथियों को जगह जगह चुनौतियों का सामना करते हुये कार्य करना पड़ता है। इस कार्यक्रम का शुभारंभ बच्चों द्वारा दीपावली एवं हिंदू नववर्ष पर आधारित सुंदर डांस एवं लघु नाटक की प्रस्तुति से किया गया। इस दौरान आयोजित की गई नाटिका "जनता की अदालत" नामक नाटक के माध्यम से मूल्यनिष्ठ पत्रकारिता के महत्व एवं समाज में उसकी भूमिका को प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत किया गया। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य मूल्यानिष्ठ पत्रकारिता आवश्यकता और चुनौतियों पर आधारित था। इस मौके पर मुख्य वक्ता के रूप में मौजूद ब्रहमाकुमारी कुसुम दीदी ने अपने उद्बोधन में पत्रकारिता में नैतिकता, सत्यता और निष्पक्षता के मूल्यों पर प्रकाश डाला एवं पत्रकारिता, के माध्यम से लोगों के नजरिए को हर घटना के प्रति सकारात्मक बनाए रखने के लिए घटना को भी सकारात्मक दृष्टि से उन तक पहुंचाया जाए इस विषय पर जोर दिया गया। इसके आलवा दीपावली का आध्यात्मिक रहस्य से अवगत कराते हुये दीवाली के पांच दिवसीय उत्सव के हर एक दिन का अलग अलग विवरण करते हुये मार्मिक विवरण सुनाया गया। वही ब्रहमाकुमारी उर्मिला दीदी ने सभी का शब्द सुमन से स्वागत करते हुये सभी को राजयोग की सुंदर अनुभूति कराई गई।

पंजीयन से विपरीत ट्रेक्टरों का हो रहा है दुरूपयोग?

हरिभूमि न्यूज/कल्याणपुर। कृषि हेतु ट्रेक्टर का रजिस्टेशन करवाए जाने के बावजूद इसका उपयोग व्यवसाय कार्य के लिए करते हुए देखा जा रहा है? जिसमें प्रमुख रूप से देखा जावे तो ईट, मिट्टी,रेत, गिट्टी या फिर बांस, बल्ली व अन्य समान ढोतें हुए अनेक ट्रेक्टर धडल्लें से सड़कों पर दौड़तें देखें जा रहे है। जबकि कृषि कार्य के नाम पर पंजीकृत ट्रैक्टा ग्रामीण विकास विभाग, प्रधानमंत्री सड़क योजना, राष्ट्रीय रोजगार गारंटी योजना के साथ ही अन्य तमाम विभागों व ठेकों पर कार्य करतें कभी भी देखें जा सकतें है? यद्यपि तहसील मुख्यालय का शहरी मार्ग पूरी तरह से बड़ें वाहनों के साथ साथ अन्य व्यवसायों में लगे हुए ट्रेक्टरों को भी प्रति बंधित होना चाहिए, जहां कि बाजार तथा सड़कों व आवागमन को देखते हुए यहां से कृषि कार्य में उपयोगी माने जाने वाले टेक्टर वेखौफ होकर व्यवासियक गतिबिधियों में संलग्न देखें जाने के बावजूद भी प्रशासनिक कर्मचारियों व अधिकारियों द्वारा इस ओर अनदेखी की जा रही है। क्योंकि अक्सर देखा जाता है कि ट्रेक्टरों पर खुलेआम लिखा होता है कि कृषि कार्य और इनका उपयोग सिर्फ कृषि कार्यों में होना चाहिए ताकि किसान कृषि कार्यों को समय पर कर सके लेकिन शहरी हालातों में ट्रेक्टरों की स्थितियां जो सामने आ रही है वही अस्सी फीसदी व्यवसायिकता के मद्देनजर सामने आ रही है जहां शासन प्रशासन द्वारा कृषि उपयोगी माने जाने वाले ट्रेक्टर का रजिस्टेशन केवल कृषि कार्यों के लिये किया जाता है। लेकिन कमाई के चक्कर में इनका उपयोग व्यवसायिक दृष्टि से किया जा रहा है, जो शासन के नियमों के खिलाफ होने के बाद भी इन पर कोई कार्यवाही नह होना चर्चा का विषय बना हुआ है वही प्रशासन की उदासीनता का प्रमाण दिखाई दे रहा है?

ट्रेक्टर ट्रालियों में ओवर लोडिंग हो रहे मिट्टी परिहवन से सड़कों पर गिरने वाली मिट्टी बन रही परेशानी का कारण

हरिभूमि न्यूज/ गाडरवारा। इस समय नगर की सड़कों पर देखा जा रहा है कि जिस प्रकार से नियम विरूद्ध ट्रेक्टरों का परि संचलन किया जा रहा है उस ओर प्रशासन द्वारा किसी भी प्रकार का ध्यान नही दिये जाने का परिणाम यह है कि ट्रेक्टरों के संचालक पूर्णरूप से अपनी मनमानी पर उतारू होकर आम लोगों तथा नगरवासियों की जिन्दगी को खतरे में डालते हुए देखे जा रहा है? यदि इन ट्रेक्टरों के संचालन की स्थिति पर गौर किया जावे तो यहां पर अनेक ट्रेक्टर कृषि कार्य के नाम पर रजि. होने के बाद भी अन्य कार्यो में लगे हुए है? मगर प्रशासन का ठुलमुल रवैया होने के कारण इन ट्रेक्टर चालको के हौसले बुलंद देखे जा रहे है? इतना नही आये दिन दिखा जाता है कि जब इन ट्रेक्टरों से मिट्टी, रेत व गिट्टी की ठुलाई करते हुए नगर में प्रवेश करते है तो इन ट्रेक्टरों को इस प्रकार के नाबांलिक बच्चों द्वारा दौड़ाते हुए देखा जाता है कि जिनके पैर न तो ब्रेक तक पहुंच पाते है और न ही उनकी उम्र वाहन चलाने की होती है? इसके बाद भी प्रशासन की कुम्भकर्णी निंद्रा का परिणाम है कि उनके द्वारा छूट प्रदान किये जाने के कारण यह लोग आम लोगों की जिन्दगी को खतरे में डालते हुए देखे जा रहे है? वही अक्सर नगर की सड़कों पर इन ट्रेक्टरों का संचालन होते हुए उस समय देखा जाता है जब बच्चों के स्कूल छूटने तथा लगने का समय होता है, स समय नगर की सड़कों पर दौड़ने वाले ट्रेक्टरों की गति को देखते हुए यह जान पड़ता है कि शायद मासूमो का अब भगवान ही मालिक है? यदि गौर किया जावे तो इन ट्रेक्टरों में ढोये जाने वाली मिट्टी को ट्रेक्टर मालिको द्वारा इस प्रकार से भरते हुए नगर की सड़को पर दौड़ाया जाता है जिसके चलते जब वह मिट्टी सड़को पर गिरने के बाद अन्य छोटे वाहन चालको के लिए खतरा की घंटी बताते हुए जान पड़ती है, क्योंकि सड़को पर गिरने वाली इस मिट्टी के चलते जहां बाइक सबारों को फिसलने का भय बना रहता है तथा इस मिट्टी के धूल में परिवर्तित होने के बाद सड़क को गंदा तो करती ही है साथ ही साथ जब इस मिट्टी से बनी हुई धूल के गुब्बरे बनकर उड़ते है तो लोगों का सांस लेना भी दूभिर हो जाता है? जिसके चलते जहां नगर के लोग इन ट्रेक्टर चालको की मनमानी से परेशान देखे जा रहे है, वही दूसरी ओर लोगों की जिन्दगी के लिए खतरा भी जान पड़ रहे है..?

निर्मल ग्रामो के नाम पर हो रही शासन की राशि बर्बाद, कमिशन की आड़ में प्रशासन आंखे हुई बंद

हरिभूमि न्यूज/सालीचौका। देश को विकास और समृद्धि की ओर अग्रसर करने के लिए केन्द्र हो या प्रदेश सरकार गांव को साफ सुथरा और हरा भरा बनाने की कवायद में है और इसके लिए शासन प्रशासन निर्मल ग्राम बनाने के लिए हर संभव प्रयास कर रहा है। इसके लिए समय समय पर गांव को चयानित कर वहां पर लाखो करोड़ो रूपये की राशि खर्च की जा रही है। जिसमें गांव के प्रत्येक परिवारो के घरो में शौचालय बनाये गये है। मगर उन शौचालयों की सच्चाई शायद ही किसी से छिपी होगी..? क्योंकि शासन की राशि से बने हुए शौचालय यदि अपना एक जन्म दिन मना ले तो बहुत बड़ी बात समझी जावेगी..? वही दूसरी ओर देखा जा रहा है कि गांव में पक्की नालियां सड़क और कुडादान व जल स्त्रोतो को साफ सुथरा बनाया जाना है और इसकी देख रेख के लिए जिला स्तर पर हर ब्लाक में अलग से कर्मचारी भी नियुक्त किये गये है जिन्हे वेतन के रूप में मोटी रकम और भ्रमण करने के लिए वाहन उपलब्ध कराये गये है। लेकिन यह अधिकारी कर्मचारी अपनी आफिसो में बैठे बैठे ही योजना का संचालन कर रहे है।

सड़कों पर बढ़ रहे अतिक्रमण के चलते बन रही जाम की स्थिति

हरिभूमि न्यूज/ गाडरवारा। यह बात अलग है कि प्रशासन द्वारा नगर में हर वर्ष अतिक्रमण हटाने की मुहिम चलाई जाती है। मगर इस मुहिम का परिणाम इस प्रकार से देखने मिला है कि प्रशासन द्वारा सिर्फ छोटे मोटे लोगों को हटाते हुए बड़े प्रभावशाली लोगों को जिस प्रकार से अभय दान दिया जाता है कि उसके चलते न तो नगर को अतिक्रमण से मुक्ति मिल पा रही है और नही नगर की यातायात व्यवस्था में सुधार देखने मिल रहा है? क्योंकि अतिक्रमण के चलते खाली होने वाली भूमि को भी प्रशासन द्वारा सुरक्षित करने में बरती जाने वाली कोताही का परिणाम है कि अतिक्रमणकारी चंद दिनों बात उस स्थल पर पुनः अपना कब्जा जमाने से नही चूकते है, कुछ इसी प्रकार की सच्चाई इस समय नगर के पुराना बस स्टेन्ड के पास देखने मिल रही है। जहां पर मुख्य मार्ग सहित सड़क के आसपास हुये अतिक्रमण का परिणाम है कि इस क्षेत्र में आये दिन जाम की स्थिति निर्मित होने से आम लोगों को परेशानियों का सामना करने के लिए मजबूर होते हुए देखा जा रहा है? इतना ही नही इस क्षेत्र में यदि अतिक्रमण की सच्चाई पर गौर किया जावे तो कुछ लोगों द्वारा नाली पर तक पक्का निर्माण करते हुए अपना कब्जा जमा लिया गया है, जिसके चलते बताया जाता है कि उनके पास पट्टा है? मगर अब सबाल यह पैदा हो रहा है कि क्या नाली के ऊपर निर्माण करने के लिए पट्टा प्रदान किया जा सकता है जो जांच का विषय बना हुआ है?

फर्जी डिग्रीधारी डॉक्टर कर रहे लोगों की जान से खिलवाड़

हरिभूमि न्यूज/चीचली। क्षेत्र मे इन दिनो फर्जी डिग्रीधारी, डॉक्टर अनपढ़ लोगो को दवाइयों के नाम पर लूट खसोट करने मे कोई कोर कसर बाकी नही रखते है? जबकि अंचल में पड़ोसी राज्यो के फर्जी डॉक्टरों द्वारा दवाई करने के नाम पर डिस्पेंसरी का संचालन किया जा रहा है। प्राप्त जानकारी के अनुसार यहां पड़ोसी राज्यों बंगाल, बिहार, कलकत्ता,उड़ीसा आदि राज्यों सें आकर लोग डॉक्टरी पेशे को कमाई का जरिया बनाये हुए है और जो लोगों को दवाइयां करने के नाम पर ठगने मे कोई कोताही नही बरतते है? इतना ही नही मर्ज कितना भी जटिल क्यो न हो ये डॉक्टर दवाई करने से नही चूकते है, मजेदार बात यह है कि ग्रामीण क्षेत्रों में इनसे दवाई करवाने क्षेत्र से अधिकांशतः अनपढ़ लोग आते है। जिसका फायदा ये चिकित्सक आराम से उठा रहे है,बकायदा अपने डिस्पेंशरी मे साइन बोर्ड लगाकर लोगों को अपनी ओर आकर्षित करते है, इतना ही नही वोर्ड मे कई देशी व विदेशी संस्थानों से डिग्री पास करने का उल्लेख करते है जबकि हकीकत कुछ और ही है,इनमे अधिकांशतः पांचवी पास भी नही है। लेकिन उपचार के नाम पर लोगों को बेवकूफ बनाने मे माहिर है,इनमे दवा कराने के बाद लोगों को गंभी अवस्था मे चिकित्सालय लाया जाता है जिसमें गरीबों का पैसा और स्वास्थ्य दोनो का नुकसान हो चुका होता है लेकिन स्वास्थ्य विभाग इन पर कार्रवाई करने से परहेज कर रहा है।

खबर संक्षेप

सात माह से फरार दुष्कर्म का आरोपी गिरफ्तार, समनापुर पुलिस की कार्रवाई

डिंडौरी। समनापुर थाना अंतर्गत एक गांव में महिला के साथ दुष्कर्म के बाद फरार चल रहे आरोपी को आखिरकार पुलिस ने गिरफ्तार करने में सफलता पाई है। आरोपी को न्यायालय में पेश किया गया जिसे न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया है। मिली जानकारी के अनुसार राजेश नेताम गांव की ही एक महिला को जान से मारने की धमकी देकर उसके साथ दुराचार किया था तब से ही फरार चल रहा था। 02 मार्च 2025 को महिला अपने घर पर अकेली थी जिसका फायदा उठाते हुये राजेश नेताम ने उसके घर में घुसकर घटना को अंजाम दिया था। महिला ने जिसकी षिकायत थाना समनापुर में की थी महिला की षिकायत पर आरोपी के विरुद्ध धारा 64 एम, 332 बी, एवं 351 बीएनएस के तहत मामला दर्ज कर किया गया। लेकिन आरोपी को इसकी भनक लग गई और वह गांव से फरार हो गया था। जिसकी तलाश के लिये पुलिस ने मुखबिर लगा रखा था। पुलिस को मुखबिर से जानकारी लगी कि दीपावली पर्व में आरोपी अपने घर पर आया हुआ है सूचना के बाद पुलिस ने घेराबंदी कर आरोपी को गिरफ्तार किया था।

संडे ड्यूटी आदेश के विरोध में संयुक्त मोर्चा का प्रदर्शन

अनूपपुर। एसईसीएल के जमुना-कोतमा क्षेत्र के एओसीपी प्रोजेक्ट में प्रबंधन द्वारा पाँच दिन का फिजिकल अटेंडेंस पूरा करने पर संडे चालू करने संबंधी आदेश जारी किया गया था इस आदेश के विरोध में संयुक्त मोर्चा (जेएण्डके क्षेत्र) के सदस्यों ने रविवार सुबह 6 बजे से गेट मीटिंग व धरना प्रदर्शन प्रारंभ किया। प्रदर्शनकारी मजदूरों ने आदेश को "तुगलकी फरमान" बताते हुए कहा कि यह मजदूरों पर अनावश्यक दबाव डालने जैसा है स्थिति को देखते हुए महाप्रबंधक प्रभाकर राम त्रिपाठी के हस्तक्षेप के बाद समझौता हुआ और जिन 25 कर्मचारियों का संडे बंद था, उनका ड्यूटी पुनः चालू किया गया इसके बाद जमुना-कोतमा क्षेत्र का उत्पादन कार्य सामान्य रूप से शुरू हो सका। संयुक्त मोर्चा के पदाधिकारियों ने चेतावनी दी कि यदि भविष्य में इस तरह के निर्णय मजदूरों पर जबरदस्ती थोपे गए तो संगठन और कड़ा आंदोलन करेगा साथ ही मजदूरों से अपील की गई कि वे अपने-अपने कार्यस्थलों पर वापस लौटें, पर आगामी संघर्ष के लिए तैयार रहें। संयुक्त मोर्चा ने कहा कि प्रबंधन मजदूरों के हितों को ध्यान में रखते हुए किसी भी निर्णय से पहले श्रमिक संगठनों से विचार-विमर्श करे।

जहां नियम बेअसर और प्रशासन बेखबर

शाकाहार और मांसाहार का संगम बना डिंडोरी, शासन के निर्देश कागजों में कैद

डिंडोरी।

नगर में स्वच्छता और खाद्य सुरक्षा से जुड़े नियम-कानूनों की अनदेखी करते हुए खुले में शाकाहारी और मांसाहारी दोनों प्रकार के खाद्य पदार्थों का एक साथ विक्रय खुलेआम किया जा रहा है। मध्य प्रदेश शासन और नगर प्रशासन द्वारा बार-बार जारी निर्देशों के बावजूद डिंडोरी में इनका पालन नहीं हो रहा है, जिससे यह प्रदेश का पहला ऐसा शहर बन गया है जहां प्रशासन की नाक के नीचे इस प्रकार की अव्यवस्था जारी है।

मुख्य बाजार क्षेत्र में सबसे गंभीर स्थिति

डिंडोरी के मुख्य बाजार क्षेत्र में स्थिति और भी गंभीर है। जहाँ एक ओर सब्ज़ी मंडी में लोग रोज़मर्रा की सब्ज़ियाँ और फल खरीदते हैं, वहीं ठीक पास में खुले में मुर्गे की बिक्री की जा रही है। शासन के नियमों के अनुसार शाकाहारी और मांसाहारी वस्तुओं का विक्रय एक ही स्थान पर स्पष्ट रूप से प्रतिबंधित है, बावजूद इसके प्रशासन ने इस पर आंखें मूंद रखी हैं। इससे न केवल पूरे क्षेत्र में दुर्गंध और गंदगी फैल रही है, बल्कि स्थानीय नागरिकों की धार्मिक भावनाओं को भी ठेस पहुँच रही है।

शासन के स्पष्ट निर्देश और कानूनी प्रावधान

मध्य प्रदेश शासन द्वारा जारी स्वच्छता और सार्वजनिक स्वास्थ्य संहिता तथा खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम, 2006 के तहत यह स्पष्ट निर्देश दिए गए हैं कि मांसाहारी वस्तुओं की बिक्री आबादी वाले क्षेत्रों, धार्मिक स्थलों और सार्वजनिक स्थानों के निकट नहीं की जाएगी।मांसाहारी और शाकाहारी खाद्य पदार्थों का विक्रय एक ही स्थान पर नहीं किया जा सकता।सभी मांसाहारी विक्रेताओं को अनिवार्य रूप से लाइसेंस प्राप्त करना होगा और उनका प्रतिष्ठान स्वच्छ, बंद और निर्धारित स्थान पर होना चाहिए।

प्रशासनिक लापरवाही पर उठे सवाल

नगर परिषद क्षेत्र में इन नियमों का खुलेआम उल्लंघन हो रहा है। न तो खाद्य निरीक्षण दलों की नियमित जांच हो रही है और न ही नगर परिषद की ओर से कोई कार्रवाई। इससे नगर की स्वच्छता व्यवस्था पर प्रश्नचिह्न लग गया है।

स्थानीय नागरिकों की प्रतिक्रिया

स्थानीय नागरिकों ने इस स्थिति पर नाराजगी जताते हुए कहा कि यह न केवल स्वच्छता मानकों का उल्लंघन है बल्कि धार्मिक और सामाजिक सौहार्द के लिए भी हानिकारक है। नागरिकों का कहना है कि शिकायतों के बाद भी अधिकारियों द्वारा मौन साधे रखना उनकी कार्यशैली पर सवाल खड़े करता है।शहरवासियों ने शासन-प्रशासन से मांग की है कि डिंडोरी में खुले में मांसाहारी विक्रय पर तत्काल रोक लगाई जाए और दोषी दुकानदारों पर खाद्य सुरक्षा अधिनियम, 2006 की धारा 56, 58 और 63 के तहत दंडात्मक कार्रवाई की जाए। साथ ही नगर परिषद को शाकाहारी व मांसाहारी बाजारों के लिए अलग-अलग स्थान निर्धारित करने की व्यवस्था करनी चाहिए।

22 दिन बाद अंधे हत्याकांड का पुलिस ने किया खुलासा, हत्या के आरोप में दो भतीजे गिरफ्तार

जादू टोना के शक में हुई थी वारदात

डिंडोरी। मेहंदवानी थानांतर्गत डोकरघाट में लगभग 22 दिन पहले बोरी के अंदर मिली लाश की गुत्थी पुलिस ने सुलझा ली है।इस अंधे हत्याकांड का खुलासा करते हुए पुलिस ने हत्या के आरोप में दो युवकों को शनिवार को गिरफ्तार किया है, जिन्हें कार्रवाई के बाद न्यायालय में पेश किया गया दोनों आरोपियों को न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया। दोनों आरोपी मृतक के सगे भतीजे बताये गये हैं। हत्या की वजह जादू टोना के शक में चल रही पुरानी रंजिश सामने आई है। आरोपियों में एक पेशे से शिक्षक बतलाया गया है। गौरतलब है कि गत 5 अक्टूबर को नर्मदा किनारे डोकरघाट में झाड़ियों के बीच बोरी के अंदर से एक लाश बरामद की गई थी। सूचना के बाद पुलिस ने शव बरामद करते हुये शिनाख्त नहीं होने पर पीएम करा अंतिम संस्कार कर दिया था और शिनाख्त के लिये आस पास ग्रामों सहित नजदीकी थाना चौकियों में सूचना प्रेषित की थी। जिसके बाद कुछ दिनों में ही मृतक की पहचान मंगल बैगा 60 साल निवासी धनगांव रैयत के रूप में की गई थी। प्रथम दृष्टया हत्या कर मामला प्रतीत होने पर पुलिस ने अज्ञात आरोपियों के विरुद्ध अपराध दर्ज करके विवेचना शुरू कर दी थी। इस दौरान पुलिस को मालूम हुआ कि मृतक मंगल और उसके भतीजों रतन और बैसाखू बैगा के बीच जादू टोना को लेकर लंबे समय से विवाद चल रहा था। इसके साथ ही पुलिस को जानकारी लगी कि एक साल पहले मृतक के भतीजे रतन की पत्नी की मौत हो गई थी। पेशे से शिक्षक रतन बैगा को शक था कि उसकी पत्नी की मौत मृतक मंगल के जादू टोना के कारण हुई थी। जिसको लेकर भी आपसी तनातनी थी। जानकारी के मुताबिक इस बीच 3 अक्टूबर को मंगल बैगा झाड़ फूंक के लिये दूसरे गांव गया था इसकी जानकारी आरोपियों लग गई थी और घात लगाकर मंगल के घर आने का इंतजार कर रहे थे तभी रात लगभग 8 बजे मंगल जब घर वापस लौट रहा था तभी रतन और बैसाखू ने एक राय होकर घर के बाहर ही मंगल की गला दबाकर हत्या कर दी और रात में ही मंगल की लाश को बोरी में भरकर दोनों आरोपियों ने मोटरसाइकिल में रखकर कोसम घाट के पुल से नर्मदा नदी में फेंक दिया था।हत्याकांड के खुलासा में थाना प्रभारी श्याम सुंदर उसराठे, उपनिरीक्षक रम्मा लाल मांझी, प्रधान आरक्षक नरेन्द्र मार्को, कमलेष भवेदी, और आरक्षक सुमेरी लाल मरप्पा शामिल रहे हैं।

बेमौसम बरसात से बढ़ी किसानों की परेशानी

अमरपुर।

इस वर्ष मौसमी बारिश अच्छी होने से किसान भारी उत्साहित हुए और धान की फसल दीवाली पर्व के बाद काटने की तैयारी करने में लगे हुए थे। परंतु दीपावली से ही आसमान में बादल छाए देख किसानों ने अपना इरादा बदला की मौसम खुलने के बाद ही कटाई प्रारंभ की जानी थी। कुछ दिनों से मौसम गहराता गया और शनिवार शाम से ही हल्की बारिश ने दस्तक दी और रविवार की सुबह से ही लगातार मध्यम बारिश जैसे सावन की झड़ी की तरह पूरे दिन पानी गिरना रहा। जिससे किसानों की खड़ी फसल काटने की चिंता सता रही हैं। खेतों में पानी भरा एवं गीला होने से कटाई में किसी भी उपकरण का उपयोग नहीं किया जा सकेगा। जिस वजह से कटाई कराने में अधिक खर्च पड़ेगा। कुछ किसानों ने कटाई शुरू कर दिए हैं। जोकि बरसात की वजह से सूख भी नहीं पाएगा। इसके साथ ही धान का रंग भी फीका पड़ जाने की संभावना प्रबल हो गई हैं। इस प्रकार ऊपर वाला किसानों को परेशान कर रहा हैं। वहीं पर सरकार भी किसानों की चिंता नहीं करती सरकार की कथनी और करनी में अंतर हैं। किसानों को मिलने वाला बोनस भी बंद कर दिया गया हैं।

कुछ वर्षों पहले प्रदेश के मुख्यमंत्री द्वारा धान के बोनस के रूप में 4 रूपए प्रति हेक्टेयर देने का घोषणा तो की गई थी। परंतु किसानों को अधिकतम मात्र 10 हजार रुपए देकर घोषणा पूर्ण समझ लिया गया हैं।

इनका कहना हैं किः-

पूरी तरह से फसल पक तैयार हो चुकी हैं, मौसम कटाई का समय नहीं दे रहा हैं। फसल खराब होने की संभावना हैं। मेरा स्वयं का 9 हेक्टेयर से अधिक भूमि हैं। और बोनस राशि मेरे खाते में मात्र 10 हजार रुपए जमा किया गया हैं।

महेंद्र ठाकुर कृषक रामगढ़

ट्रांसफार्मर खराब होने से एक महीने से अंधेरा में रात बिता रहे ग्रामीण, सूचना के बाद भी विद्युत विभाग नहीं दे रहा ध्यान

डिंडौरी। जनपद पंचायत अंतर्गत ग्राम पंचायत चिचरिंगपुर के पोषक ग्राम मोहगांव के आवास टोला के लगभग 100 परिवार विगत एक माह से बगैर बिजली के अंधेरा में रात गुजार रहे है। सूचना के बाद भी विद्युत विभाग द्वारा सुधार कार्य नहीं किया जा रहा है जिससे ग्रामीणों में आक्रोष पनप रहा है। जानकारी के अनुसार आवास टोला में लगभग ढाई सौ से तीन सौ की आबादी है और विद्युत सप्लाई के लिए एक ट्रांसफार्मर स्थित जो विगत माह खराब हो गया है जिससे विद्युत सप्लाई ठप पड़ी हुई है। ग्रामीण विद्युत के आभाव में अंधेरा में रात गुजारने को मजबूर हैं। साथ ही विद्युत संचालित उपकरण भी बंद पड़े हुए हैं तथा स्कूली बच्चों को भी परेशानी पेश आ रही है, वह पढ़ाई नहीं कर पा रहे हैं। इसके साथ ही गांव नदी और जंगलों से घिरा हुआ है जिससे वन्य जीव के साथ-साथ जहरीले कीड़ों से भी खतरा बना हुआ है। उपसरपंच अनुजधारी के मुताबिक बिजली सप्लाई बंद होने के बाद विद्युत विभाग को सूचना दी गई थी विभाग के कर्मचारी गांव भी पहुंचे थे लेकिन सुधार कार्य करने की बजाय ग्रामीणों को विद्युत बिल जमा नहीं करने की बात कह रहे थे इस बावद ग्रामीणों ने कर्मचारियों से कहा था कि जिन ग्रामीणों के द्वारा विद्युत बिल जमा नहीं किया जा रहा है उनकी लाईन काट दी जाये और ट्रांसफार्मर दुरूस्त कर या नया स्थापित कर अन्य ग्रामीणों को बिजली आपूर्ति की जाये। बावजूद इसके विद्युत विभाग द्वारा कोई पहल नहीं की जा रही है। जिससे ग्रामीणों को अंधेरा में ही रात गुजारना पड रहा है। ग्रामीणों ने बतलाया कि सप्ताह भर के भीतर यदि विद्युत सप्लाई शुरू नहीं की गई तो उन्हें सडक पर उतरकर विरोध प्रदर्शन करने के लिए मजबूर होना पडेगा।

अतिथि विद्वान ने की आमंत्रण प्रक्रिया में पूर्व पंजीकृत अभ्यर्थियों के लिए च्वाइस फिलिंग कराने की मांग

मुख्यमंत्री, उच्च शिक्षा मंत्री के नाम सौंपा ज्ञापन

डिंडौरी। अतिथि विद्वान आमंत्रण प्रक्रिया में पूर्व पंजीकृत अभ्यर्थियों की च्वाइस फिलिंग कराये जाने से संबंधित ज्ञापन मुख्यमंत्री, उच्च शिक्षा मंत्री और आयुक्त उच्च शिक्षा विभाग को भोपाल में सौंपा गया है। ज्ञापन में लेख किया गया कि उच्च शिक्षा विभाग द्वारा शासकीय महाविद्यालयों में रिक्त पदों के विरुद्ध अतिथि विद्वान आमंत्रण प्रक्रिया में पूर्व पंजीकृत अभ्यर्थियों के लिए च्वाइस फिलिंग कराया जाना सुनिश्चित किया गया है परन्तु पोर्टल में सर्वर मेंटेनेंस एवं अब नवीन समय सारणी के कारण च्वाइस फिलिंग नहीं हो पा रही है। ज्ञापन में लेख किया गया कि सभी यूजीसी योग्यता को पूरी करने वाले पूर्व पंजीकृत है और पिछले कई वर्षों से च्वाइस फिलिंग का इंतजार कर रहे हैं। उच्च शिक्षा विभाग द्वारा कई बार च्वाइस फिलिंग के लिए समय सारणी देने के बाद भी पंजीकृत आवेदकों से च्वाइस फिलिंग पूरी नहीं कराई गई है। पूर्व से पंजीकृत आवेदको के च्वाइस फिलिंग के लिए 02 सितंबर 2025 को उच्च शिक्षा विभाग द्वारा समय सारणी घोषित किया गया था। जिसमे नेट, सेट, पीएचडी किये हुए यूजीसी धारी पूर्व पंजीकृत आवेदको के लिए दो वर्षों बाद चॉइस फिलिंग का अवसर प्राप्त हुआ है। उच्च शिक्षा विभाग द्वारा पिछले दो वर्षों से फॉलन आउट एवं ट्रांसफर का अवसर पूर्व से कार्यरत अतिथि विद्वानों को एक ही शैक्षणिक वर्ष में कई बार दिया जा रहा है। जो की वर्ष में सिर्फ एक बार ही अवसर देने का नियम अतिथि विद्वान सेवा शर्त नियमावली 2023 में उल्लेख है। कई समाचार पत्रों द्वारा यह संज्ञान में आया है की उच्च शिक्षा विभाग द्वारा जारी समय सारणी का विरोध पूर्व से कार्यरत अतिथि विद्वानों द्वारा किया जा रहा है जो की गलत है। वर्तमान में कई कार्यरत एवं फॉलेन आउट अतिथि विद्वान ऐसे भी हैं जो यूजीसी की न्यूनतम योग्यता को पूरी नहीं करते। ट्विटर एवं न्यूज पेपर के माध्यम से यह जानकारी मिली है कि उच्च शिक्षा मंत्री द्वारा समन्वय बैठक में एक बार पुनः फॉलेन आउट अभ्यर्थी को अंतिम अवसर देने का निर्णय लिया गया है जो की नए आवेदको को फिर से च्वाइस फिलिंग से वंचित करने का कार्य होगा मध्य प्रदेश के सभी शासकीय महाविद्यालय में सभी रिक्त पदों को आईएफएमआईएस पोर्टल पर मैप करवा कर पूर्व पंजीकृत अभ्यर्थियों का प्रोफाइल अपडेट करने के साथ च्वाइस फिलिंग का अवसर प्रदान किए जाने की मांग की गई है। साथ ही फॉलन आउट के साथ पूर्व से पंजीकृत आवेदकों को भी च्वाइस फिलिंग का अवसर पूर्व में घोषित समय सारणी के अनुसार ही दिए जाने की गुहार लगाई है है। सभी नेट,सेट, पीएचडी धारी आवेदक हैं। पूर्व से कार्यरत अतिथि विद्वानों के दवाव में कोई निर्णय न लिया जाये समानता का अधिकार सभी को है कृपया पूर्व पंजीकृत आवेदकों का च्वाइस फिलिंग तय समय सारणी के अनुसार ही संपन्न कराया जाये।

मैया अभियान शंकर घाट में की गई स्वच्छता सेवा

डिंडौरी। माँ नर्मदा के चरणों मे समर्पित मैया अभियान अंर्तगत रविवार प्रातः पुल समीप शंकर घाट में सेवादारों द्वारा स्वच्छता सेवा की गई। विदित है कि शंकर घाट बस स्टैंड के समीप होने के कारण श्रद्धालु जन सुबह से शाम तक आस्था की डुबकी लगाते हैं । नर्मदा नदी में सर्वाधिक प्रदूषण पुल पास घाटों में होता है क्योंकि अम्बेडकर बस्ती एवं अस्पताल के नाले सीधे नर्मदा नदी में विसर्जित होते है। मैया अभियान के सेवादारों ने झाड़ू , फावड़ा , तसला ,गेती से घाटों में फैली प्लास्टिक पन्नियों , दूषित कपड़े , काँच की बोतल ,डायपर को एकत्रित किया। इस दौरान 1 टैक्टर प्रदूषित सामग्री उठाई गईं। मैया अभियान के सेवादारों ने नगर निवासियों एवं विद्यार्थियों से आग्रह किया है कि कम से कम एक दिन जरूर माँ नर्मदा की सेवा में एकजुट हो जाये । यही मैया की सच्ची सेवा है । नर्मदा नदी के उद्गम स्थल अमरकंटक से डिंडौरी को प्रथम नगर का दर्जा दिया गया है अतः सम्पूर्ण जिले के निवासियों का यह परम कर्तव्य है कि नर्मदा जल की निर्मलता को बनाये रखें एवं घाटों में स्वछता रखे। रविवार को आयोजित मैया अभियान में बाल सेवादार विवान प्रधान, संस्कार परस्ते , माही बरोतिया , याथार्त यादव , डॉ संतोष परस्ते आयुष अधिकारी, आर पी कुशवाहा नेहरू युवा केंद्र, शिक्षक जितेन्द्र दीक्षित , प्राचार्य शाहिद खान , पशु चिकित्सक गणेश गवले , आशीष श्रीवात्री , भागवत यादव, जगदीश सिंह सैयाम , महारन सिंह परमार ,अमर सिंह परमार ,विजय रजक , महेन्द्र सिंह ने अपना श्रम दान माँ नर्मदा को समर्पित कर नियमित स्वछता सेवा का संकल्प लिया।

नगर में मच्छरों का आतंक, परिषद की लापरवाही से बढ़ा बीमारी का खतरा

मुख्य मार्ग पर डिवाइडर में व्यापारी फैला रहे गंदगी, सफाई में सहयोग की अपील

हरिभूमि न्यूज डिंडोरी। नगर परिषद क्षेत्र में इन दिनों मच्छरों का आतंक लगातार बढ़ता जा रहा है। गलियों में गंदगी, नालियों में जमे कचरे और जगह-जगह ठहरे हुए पानी के कारण मच्छरों का प्रकोप चरम पर है। नागरिकों का कहना है कि नगर परिषद की लापरवाही और उदासीन रवैये के कारण यह स्थिति उत्पन्न हुई है।स्थानीय लोगों ने बताया कि बार-बार शिकायतों के बावजूद नालियों की सफाई नहीं की जा रही और न ही फॉगिंग मशीन का उपयोग हो रहा है। बारिश का मौसम बीत जाने के बाद भी नगर परिषद की ओर से कीटनाशक छिड़काव या सफाई अभियान शुरू नहीं किया गया है, जिससे डेंगू, मलेरिया और वायरल फीवर जैसी बीमारियों का खतरा तेजी से बढ़ रहा है।

गली-गली में बदबू और गंदगी का अंबार

नगर परिषद क्षेत्र की कई गलियों में नालियां ओवरफ्लो की स्थिति में हैं। गंदे पानी के जमाव से बदबू और संक्रमण का खतरा बना हुआ है। बच्चों और बुजुर्गों में बुखार, सिर दर्द और शरीर दर्द की शिकायतें बढ़ रही हैं। लोगों का कहना है कि शाम होते ही मच्छरों का झुंड पूरे घर में फैल जाता है, जिससे रात में नींद लेना भी मुश्किल हो गया है।

व्यापारी फैला रहे कचरा

मुख्य मार्ग की स्थिति भी बेहतर नहीं है। शहर के कई व्यापारी डिवाइडर में कचरा फेंक रहे हैं, जिससे आसपास गंदगी और बदबू फैल रही है। इतना ही नहीं, कुछ व्यापारी डिवाइडर पर बोरे और अन्य सामग्री सुखाते देखे जा सकते हैं, जिससे शहर की सूरत और भी बिगड़ रही है। नगर परिषद की जिम्मेदारी तो है ही, लेकिन सफाई में व्यापारियों को भी सहयोग करना चाहिए ताकि शहर स्वच्छ और सुंदर बना रहे। क्षेत्रवासियों ने नगर परिषद प्रशासन से नाराजगी जताते हुए कहा कि सफाईकर्मी अनियमित हैं और अधिकारी क्षेत्र का निरीक्षण तक नहीं करते। नागरिकों ने मांग की है कि नगर परिषद तत्काल सफाई अभियान चलाए, नालियों की सफाई करवाए और फॉगिंग मशीन को सक्रिय करे।स्थानीय समाजसेवियों ने चेतावनी दी है कि यदि शीघ्र ही सुधारात्मक कदम नहीं उठाए गए तो नगर परिषद कार्यालय का घेराव किया जाएगा। उन्होंने जिला प्रशासन से भी इस मामले में हस्तक्षेप कर स्थायी समाधान की मांग की है।साथ ही क्षेत्रवासियों ने आम जनता से अपील की है कि घरों के आसपास पानी जमा न होने दें, नियमित सफाई रखें और मच्छर जनित बीमारियों से बचाव के उपाय अपनाएं। स्वास्थ्य विभाग से भी अनुरोध किया गया है कि जागरूकता अभियान चलाकर नागरिकों को इन बीमारियों से बचाव के प्रति सचेत किया जाए।

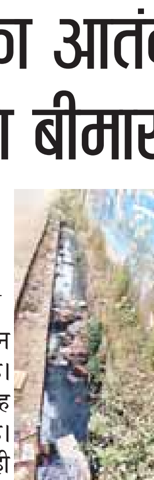

बाल विवाह कराने पर हो सकता है जुर्माना और दो साल की जेल

डिंडौरी। कलेक्टर अंजू पवन भदौरिया के मार्गदर्शन में जिले में देवउठनी ग्यारस के पावन अवसर पर जन जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है जिसके अंतर्गत आमजन से बाल विवाह न करने की अपील की गई । देव उठनी ग्यारस के दिन पारंपरिक रूप से विवाह समारोहों का आयोजन आरंभ होता है। इस अवसर पर कलेक्टर ने कहा कि देवउठनी ग्यारस शुभ अवसर का प्रतीक है, लेकिन इस दिन समाज में बाल विवाह जैसी कुप्रथा को रोकना हम सबकी जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि 18 वर्ष से कम आयु की बालिका और 21 वर्ष से कम आयु के बालक का विवाह कानूनी अपराध है। प्रत्येक नागरिक को बाल विवाह रोकने में सहयोग करना चाहिए और ऐसी घटनाओं की तुरंत सूचना देना चाहिए।

हेल्पलाईन नम्बर पर दें सूचना

जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला व बाल विकास विभाग श्याम सिंगौर द्वारा बताया गया कि बाल विवाह से बालिकाओं का बचपन, शिक्षा और स्वास्थ्य प्रभावित होता है। बाल विवाह मातृ व षिषु मृत्यु दर बढाता है और समाज की प्रगति में बाधक है। बाल विवाह कराने, इसमें भाग लेने या समर्थन करने पर सख्त कानूनी दंड का प्रावधान है। बताया गया कि बाल विवाह कराने या उसमें भाग भाग लेने पर सजा और जुर्माना हो सकता है। जो व्यक्ति बाल विवाह करवाता है, आयोजित करता है या उसमें सहयोग करता है, उसे दो वर्ष तक का कारावास और जुर्माना हो सकता है। लोगों से अपील है कि यदि कहीं भी बाल विवाह की जानकारी मिले तो चाइल्ड लाइन 1098 महिला हेल्पलाइन 181 और पुलिस कंट्रोल रूम 100 पर सूचना दे सकते हैं।

आटो की टक्कर से एक राहगीर घायल

डिंडौरी। कोतवाली थाना अंतर्गत अमरकंटक रोड स्थित नर्मदा राइस मिल के नजदीक शुक्रवार की रात लगभग 9.30 बजे अज्ञात ऑटो की टक्कर से पैदल जा रहा व्यक्ति घायल हो गया जिसे परिजनों ने निजी वाहन से लाकर जिला चिकित्सालय में उपचार के लिए भर्ती कराया है परिजनों की षिकायत पर अज्ञात ऑटो चालक के विरुद्ध पुलिस ने धारा 281, 125 (ए) बीएनएस के तहत मामला दर्ज कर विवेचना शुरू कर दी है। पुलिस को की गई षिकायत में फरियादी संजय ठाकुर पिता ओमप्रकाश ठाकुर उम्र 23 वर्ष निवासी महावीर टोला ने बतलाया कि पिता ओमप्रकाश ठाकुर ने फोन करके बतलाया कि वह महावीर टोला से घर की तरफ पैदल जा रहा था इसी दौरान नर्मदा राइस मिल के आगे मंदिर के पास एक ऑटो चालक ने तेज गति एवं लापरवाही पूर्वक चलाते हुये जोरदार टक्कर मार दिया जिससे वह घायल हो गया है। जिसके बाद मौके पर पहुंचकर पिता जी को निजी साधन से जिला चिकित्सालय लाया गया है। हादसे में चोट लगी है।

अवैध शराब के साथ एक आरोपी गिरफ्तार

डिंडौरी। कोतवाली थाना अंतर्गत ग्राम अमगांव में एक व्यक्ति को हाथ भट्टी की बनी कच्ची महुआ की शराब के साथ गिरफ्तार किया गया है। जिसके विरूद्ध आबकारी अधिनियम की धारा 34 ए के तहत कार्रवाई की गई है। पुलिस से मिली जानकारी अनुसार शुक्रवार को मुखबिर से सूचना मिली की अमगांव में एक व्यक्ति प्लास्टिक की जरीकेन में हाथ भट्टी की बनी कच्ची महुआ की शराब विक्रय के उद्देश्य से रखा हुआ है सूचना के बाद कोतवाली पुलिस ने बताये ठिकाने पर दबिश दी जहां बताये हुलिया के मुताबिक मौजूद व्यक्ति से पूछताछ करते हुये उसके कब्जे से प्लास्टिक की जरीकेन में रखी 6 लीटर शराब कीमत 600 सौ रूपये जप्त की गई। आरोपी ने पूंछतांछ में अपना सुमंत लाल यादव पिता कुंवर लाल यादव उम्र 29 वर्ष निवासी अमगांव थाना डिंडौरी का होना बतलाया। शराब रखने और विक्रय के संबंध में आरोपी से वैध दस्तावेज की मांग की गई लेकिन उपलब्ध नहीं कराया गया। जिसके विरूद्ध कार्रवाई की गई है।

खबर संक्षेप

सड़क हादसा: व्यक्ति की मौत

नरसिंहपुर। गत दिवस थाना क्षेत्र मुंगवानी अंतर्गत ट्रक और बाइक की टक्कर से व्यक्ति की मौत हो गई पुलिस ने बताया गया भुजबल सिंह पटेल निवासी चीलाचैन थाना स्टेशनगंज अपने घर से दुकान जा रहे थे तभी सड़क हादसे में उनकी मौके पर मौत हो गई। स्थानीय लोगों द्वारा पुलिस को सूचना दी गई।

कार्बाइड गन पर प्रतिबंध

नरसिंहपुर। कलेक्टर एवं जिला दंडाधिकारी श्रीमती रजनी सिंह ने भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 2023 की धारा 163 के तहत जिले में आम नागरिकों की जान- माल, स्वास्थ्य, सुरक्षा तथा पर्यावरण एवं कानून व्यवस्था बनाए रखने की दृष्टि से गैस लाइटर, प्लास्टिक पाइप लाइन और कैल्शियम कार्बाइड के उपयोग से बनी कार्बाइड गन तथा इसी प्रकार के विधि विरूद्ध अन्य खतरनाक उपकरणों के निर्माण क्रय- विक्रय, प्रदर्शन एवं इसके उपयोग को तत्काल प्रतिबंधित किया है। इस आदेश को तत्काल प्रभाव से प्रभावशील किया गया है। आदेश का उल्लंघन करने पर भारतीय न्याय संहिता 2023 की धारा 223 एवं अन्य सुसंगत अधिनियमों के तहत दंडनीय होगा। किसी भी व्यक्ति को इस प्रकार की गन के निर्माण, क्रय- विक्रय, उपयोग की सूचना प्राप्त होती है, तो वह इसकी सूचना तत्काल कंट्रोल रूम 07792- 181 पर उपलब्ध कराएं। कंट्रोल रूम तत्काल पुलिस अधीक्षक को ऐसी सूचनाओं से अवगत कराएंगे। पुलिस अधीक्षक नरसिंहपुर ऐसी सूचनाएं प्राप्त होने तथा उक्त आदेश का उल्लंघन पाए जाने पर संबंधित के विरूद्ध विधि अनुसार कार्यवाही करना सुनिश्चित करेंगे।

संभागीय संयुक्त संचालक ने ली समीक्षा बैठक

नरसिंहपुर। संभागीय संयुक्त संचालक जबलपुर के द्वारा शुक्रवार को नरसिंहपुर के कलेक्ट्रेट नरसिंह भवन के सभाकक्ष में महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा संचालित योजनाओं की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास, समस्त परियोजना अधिकारी, जिला समन्वयक पोषण अभियान, समस्त पर्यवेक्षक एवं समस्त ब्लॉक समन्वयक आईसीपीएस अधिकारी- कर्मचारी मौजूद थे। उन्होंने 0 से 6 माह के शिशु, 6 माह से 3 वर्ष और 6 वर्ष की आयु तक के बच्चों तथा गर्भवती व धात्री माताओं के वास्तविक पंजीयन से मिलान कर पोषण ट्रेकर एप पर दर्ज करने और सेक्टर स्तर पर प्रत्येक परियोजना अधिकारी द्वारा समीक्षा करने के निर्देश दिए। वर्तमान में एफआरएस प्रगति बढ़ाने ई-केवायसी के लिए कार्यकर्ता और सेक्टर स्तर पर प्राथमिक रूप से निगरानी करने को कहा। उन्होंने पोषण अभियान में हितग्राहियों की संख्या की प्रविष्टि वर्तमान वास्तविक हितग्राही दर्ज संख्या और राष्ट्रीय और राज्य स्तर पर दर्ज संख्या की समीक्षा की। उन्होंने सांझा चूल्हा अभियान अंतर्गत पोषण ट्रेकर एप पर प्रविष्टि और वास्तविक एन्ट्री पोषण ट्रेकर एप पर दर्ज करने के निर्देश दिए। आंगनवाडी केन्द्रों में भोजन प्रदाय करने वाले समूहों को खाद्यान्न की उपलब्धता की समीक्षा की गई। जिला कार्यक्रम अधिकारी समस्त परियोजनाओं एवं सेक्टर की अलग- अलग प्रगति रिपोर्ट स्वयं मॉनिटर एवं आगामी बैठक तक प्रगति लाने के निर्देश दिए।

नवीन पात्रता पर्ची का हो सत्यापन

नरसिंहपुर। जिला आपूर्ति अधिकारी नरसिंहपुर ने बताया कि लक्षित सार्वजनिक वितरण प्रणाली योजना अंतर्गत खाद्यान्न सामग्री का लाभ प्राप्त करने के लिए हितग्राही के पास पात्रता पर्ची का होना अनिवार्य है। पात्रता पर्ची संबंधी लक्ष्य पूर्ण हो जाने के कारण विगत कुछ समय से शासन स्तर पर नवीन पात्रता पर्ची सदस्य जनरेट संबंधी कार्यवाही स्थगित की गई थी। ई- केवायसी अभियान के दौरान कुछ अपात्र परिवारों का नाम पोर्टल से विलोपित होने पर पात्रता पर्ची के लक्ष्य अनुरूप स्पेस होने पर वर्तमान में शासन स्तर से नवीन पात्रता पर्ची सदस्य अपडेट संबंधी पात्रता पर्ची पुनः जनरेट होने की कार्यवाही प्रारंभ हो चुकी है। उन्होंने बताया कि जिले में नवीन पात्रता पर्चीं सदस्य अपडेट के लिए एम राशन मित्र पोर्टल में 6 हजार 242 ऑनलाइन आवेदन दर्ज हुए हैं। अब तक 4 हजार 25 पात्रता पर्ची जारी की गई है। उन्होंने बताया कि वर्तमान में नवीन पात्रता पर्ची जनरेट होने के लिए एम राशन मित्र पोर्टल में सर्वप्रथम ग्राम पंचायत शहरी क्षेत्र में वार्ड की लॉगिन से ऑनलाइन आवेदन दर्ज कर स्थानीय निकाय की लॉगिन में सत्यापन के लिए प्रेषित किया जाता है। स्थानीय निकाय से सत्यापन उपरांत जेएसओ लॉगिन में पात्रतापर्ची स्वीकृत के लिए आवेदन प्रदर्शित होता है।

दलाली का अड्डा बनते ऑनलाइन काउंटर, हितग्राही परेशान

अतिक्रमण व गंदगी का केंद्र बन रहा लोक सेवा केंद्र

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर।

सरकार द्वारा लोगों को बेहतर सुविधा उपलब्ध कराने के लिए जिले मे लोक सेवा केन्द्र की स्थापना की गई। लेकिन जिला मुख्यालय मे बनाया गया लोक सेवा केन्द्र की वजह लोक परेशानी का केंद्र बनता जा रहा है। जिसे लेकर प्रशासन के जिम्मेदार अधिकारियों द्वारा ध्यान नही दिया जा रहा है। दिन प्रतिदिन लोक सेवा केन्द्र की स्थिति और भी बदहाल होती जा रही है कार्यालय के आसपास गंदगी का अंबार तथा अतिक्रमण पैर पसार चुका है। वही लोक सेवा केन्द्र के आसपास लगी आनलाइन सेंटर चलाने वाले दुकानदारों द्वारा भी लोगों को मनमाफिक पैसे लेकर काम कराये जा रहे है जो काम महज 30 - 40 रूपए मे होना चाहिए उसके लिए 150 से 200 रूपए तक लोगों से लिए जाते है और प्रशासन मूकदर्शक बना हुआ है।

खुलेआम चल रहा दलाली का खेल

लोक सेवा केंद्र का मूल उद्देश्य है जनता के सरकारी कार्यों को सरल, पारदर्शी और ऑनलाइन माध्यम से संपन्न कराना। परंतु वास्तविकता इससे बिल्कुल विपरीत है। केंद्र के आसपास मौजूद तथाकथित ऑनलाइन सेवा केंद्रों ने सरकारी कामों में दलाली का नया रूप गढ़ लिया है। ये दुकाने अब खुलेआम इस बात का दावा करती हैं कि हमारे जरिए काम जल्दी हो जाएगा। हितग्राहियों से 300 से 500 रुपए तक वसूले जा रहे हैं, जबकि यही कार्य शुल्कमुक्त या न्यूनतम दर पर लोक सेवा केंद्र के अंदर होता है। जनता की सेवा के नाम पर अब यहाँ स्थित ऑनलाइन फोटो कॉपी की दुकानों के जरिये खुलेआम व्यापार चल रहा है। जो नागरिक सीधे आवेदन करने आते हैं, उन्हें केंद्र के बाहर ही दलालो द्वारा रोक लिया जाता है, इसका सबसे ज्यादा शिकार ग्रामीण भोले भाले लोग हो रहे है।यह स्थिति लोक सेवा केंद्र की मूल भावना के विपरीत है। लोक सेवा केंद्र के चारों ओर सफाई की स्थिति अत्यंत खराब है।कचरे के ढेर, प्लास्टिक की थैलियाँ और गंदा पानी पूरे परिसर को बदबूदार बना चुके हैं।केंद्र के पास से गुजरना तक मुश्किल हो गया है। जहाँ कभी साफ-सफाई और अनुशासन दिखता था, अब वहाँ कीचड़, धूल और गंदगी का साम्राज्य है।

शाम ढलते ही शराबियों का जमावड़ा

दिन में जहाँ सरकारी कामकाज चलता है, वहीं शाम ढलते ही यह स्थान शराबियों के जमावड़े में तब्दील हो जाता है। लोक सेवा केंद्र के आसपास शराब की बोतलें, पॉलिथीन और डिस्पोजल गिलास आम दृश्य बन चुके हैं। दीवारों के पास टूटी बोतलें, फैली हुई दुर्गंध और नशे में धुत लोगों के झगड़े इस क्षेत्र की दिनचर्या बन गए हैं। अंधेरा बढ़ते ही शराबी युवकों के समूह यहाँ बैठकर हंगामा करते हैं।इससे महिला हितग्राहियों और आसपास के दुकानदारों में भय का माहौल रहता है। कई बार राहगीरों के साथ बदसलूकी की घटनाएं भी सामने आई हैं, परंतु पुलिस गश्त न के बराबर है। यदि स्थिति ऐसी ही रही तो यह क्षेत्र जल्द ही असामाजिक गतिविधियों का अड्डा बन सकता है। बरसात के मौसम में इस केंद्र की स्थिति बेहद दयनीय हो जाती है।पानी निकासी की कोई व्यवस्था नहीं होने के कारण, भवन के सामने कई फीट तक पानी भर जाता है। सड़क और प्रवेश द्वार पूरी तरह डूब जाते हैं।कचरे और मिट्टी से नालियाँ जाम हैं, जिससे पानी लंबे समय तक रुका रहता है। इससे चारों ओर बदबू फैलती है और मच्छरों का प्रकोप बढ़ जाता है। कई बार हितग्राही पानी में पैर डुबोकर ही कार्यालय तक पहुँचते हैं।यह दृश्य किसी तालाब या नाले जैसा प्रतीत होता है, न कि सरकारी सेवा केंद्र जैसा। कभी जनता की सुविधा का प्रतीक यह केंद्र अब बरसात में असुविधा का सबसे बड़ा उदाहरण बन गया है परंतु प्रशासनिक मशीनरी मौन है। लोक सेवा केंद्र में न शौचालय है और न ही पीने के पानी की स्थायी व्यवस्था। सैकड़ों लोगों की रोजाना उपस्थिति के बावजूद यहाँ मूलभूत सुविधाओं का अभाव चिंताजनक है।

सुविधाओं को बना हुआ है टोटा

लोक सेवा केंद्र भवन में ही आधार कार्ड सुधार कार्य किया जाता है, जिससे रोजाना सैकड़ों नागरिक यहाँ पहुँचते हैं। परंतु केंद्र में भीड़ और जगह की कमी का आलम यह है कि हितग्राही घंटों तक असुविधा में खड़े रहने को मजबूर हैं। केंद्र के बाहर न तो किसी प्रकार की शेड (छाँव) की व्यवस्था है और न ही अंदर बैठने या प्रतीक्षा करने की पर्याप्त जगह। धूप हो या बारिश - लोग खुली सड़क पर खड़े रहते हैं। बरसात में भीगते हुए या तेज धूप में जलते हुए अपने नंबर की प्रतीक्षा करना यहाँ आने वालों के लिए रोजमर्रा की बात बन चुकी है।महिलाएँ, वृद्धजन और छोटे बच्चे सबसे अधिक परेशान दिखाई देते हैं। कुछ लोग छाँव के लिए पास की दुकानों या पेड़ों के नीचे पनाह लेते हैं, जबकि कई हितग्राही बारिश से बचने के लिए फाइलों को प्लास्टिक में लपेटे खड़े रहते हैं।अंदर का हॉल इतना छोटा है कि एक साथ केवल सीमित संख्या में ही लोगों को प्रवेश मिलता है।लोगों ने कई बार बताया कि प्रतीक्षा पंक्ति में भी धक्का-मुक्की की स्थिति बन जाती है। गर्मी के दिनों में हवा या पंखे की सुविधा भी नहीं रहती, जिससे नागरिक थककर वहीं जमीन पर बैठ जाते हैं। कुल मिलाकर यह भवन अब सुविधा केंद्र नहीं, बल्कि धैर्य परीक्षा केंद्र बन गया है। लोक सेवा केंद्र, जो कभी पारदर्शिता और जनसेवा का प्रतीक था,आज गंदगी, अराजकता और भ्रष्टाचार का केंद्र बन गया है। प्रशासन ने यदि शीघ्र कार्रवाई नहीं की, तो यह भवन जनता के लिए सेवा केंद्र नहीं, बल्कि जन असुविधा केंद्र कहलाने लगेगा।

इनका कहना है

उक्त संबंध मे मेरे द्वारा अनुविभागीय अधिकारी राजस्व को पत्र लिखकर कार्रवाई की मांग रखी जा चुकी है। लेकिन समस्या का समाधान नहीं हो पाया है।

सौरभ चौबे, प्रबंधक लोक सेवा

व्यापारी सम्मेलन एवं दीवाली मिलन संपन्न

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर।

आत्मनिर्भर भारत संकल्प अभियान एवं जीएसटी बचत उत्सव के तहत विधानसभा स्तरीय सम्मेलन का आयोजन जीएस मैरिज गार्डन करेली मे किया गया। इस दौरान मध्य प्रदेश के कैबिनेट मंत्री प्रह्लाद सिंह पटेल पूर्व राज्य मंत्री जालम सिंह पटेल जिला भाजपा अध्यक्ष रामस्नेही पाठक नगर पालिका अध्यक्ष सुशीला ममार जिला खाद्य व्यापारी संघ अध्यक्ष राजकुमार जैन, समाजसेवी प्रमोद गुप्ता मंचासीन रहे सर्वप्रथम अतिथियों द्वारा भारत माता के चित्र एवं पित्र पुरुष पंडित दीनदयाल उपाध्याय जी डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी के चित्र पर माल्यार्पण कर दीप प्रज्वलन कर कार्यक्रम विधिवत आरंभ किया गया। सम्मेलन में व्यापारी, किसान, उपभोक्ता, जनप्रतिनिधि एवं प्रबुद्ध नागरिक शामिल हुए। सम्मेलन में प्रबुद्ध नागरिक व कार्यकर्ताओं ने जब बाजार जाएंगे, माल स्वदेशी लाएगे, अपना घर स्वदेशी घर, अपनी दुकान, स्वदेशी दुकान, अपना जिला स्वदेशी जिला और घटी जीएसटी, मिला उपहार, धन्यवाद मोदी सरकार के नारे लगाए गए। इस अवसर पर कैबिनेट मंत्री प्रह्लाद सिंह पटेल ने संबोधन में कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत विश्व की चैथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन चुका है और अब तीसरे स्थान की ओर तेजी से बढ़ रहा है। आत्मनिर्भर भारत का रास्ता गांव, गरीब, किसान, महिला और युवाओं की भागीदारी से होकर जाता है। पितृ पुरुष पंडित दीनदयाल उपाध्याय जी के विचारों को आत्मसात करते हुए हम आत्मनिर्भर बन रहे हैं। देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में आज बीजेपी वट वृक्ष बन चुकी है पीएम मोदी की हर योजना की राशि लाभार्थी के सीधे खाते में जा रही है जिससे प्रत्येक व्यक्ति आत्मनिर्भर बन रहा है। पं. दीनदयाल उपाध्याय का मानना था कि आर्थिक व्यवस्था स्वदेशी पर आधारित होनी चाहिए। कार्यक्रम के अंत में स्वदेशी वस्तुओं के निर्माणकर्ता, स्वदेशी उद्योगों को बढ़ावा देने वाले व्यापारियों एवं स्थानीय स्वदेशी वस्तुओं के दुकानदारों को माल सॉल एवं श्रीफल से सम्मान किया गया। उक्त जानकारी देते हुए जिला मीडिया प्रभारी अभिनव शर्मा विधायक मीडिया प्रभारी व पूर्व राज्यमंत्री के मीडिया प्रभारी वैभव नेमा ने बताया कार्यक्रम का संचालन पूर्व मंडल अध्यक्ष रजत चैहान ने किया एवं आभार प्रदर्शन जिला भाजपा कोषाध्यक्ष नीलकमल जैन ने किया उक्त कार्यक्रम के अवसर पर बड़ी संख्या में पार्टी पदाधिकारी कार्यकर्ताओ एवं स्थानीय व्यापारी बंधुओं की उपस्थिति रही।

स्थानांतरण आदेश का पालन नहीं कर रहा वन विभाग वित्तीय अनियमितता जारी

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। सरकार द्वारा प्रशासनिक सुविधाओं की दृष्टि से जून माह वन विभाग के कर्मचारियों का प्रशासनिक दृष्टि से स्थानांतरण किए गए थे लेकिन जिले के कुछ वन परिक्षेत्र अधिकारियों के चहेते वन कर्मियों को स्थानांतरण होने के उपरांत भी नवीन पद स्थिति पर प्रभार लेने के लिए भारमुक्त नही किया गया। जबकि शासन की स्थानांतरण नीति के अनुसार स्थानांतरित कर्मचारी का वेतन नवीन पद पदस्थापना वाले स्थान से भुगतान किया जाना है। लेकिन नवीन पदस्थापना नही लेने वाले कर्मचारियों को वेतन पुरानी पदस्थापना से दिया जा रहा है जो नियमों के विपरीत तथा वन परिक्षेत्र अधिकारी द्वारा की जाने वाली अनियमितता है। मुख्यतः नरसिंहपुर - गोटेगांव - बरमान वन परिक्षेत्र में भी ऐसे कुछ कर्मचारी है जो रेंजर के चहेते है और उनके हित के लिए रेंजरों द्वारा वित्तीय अनियमितता की जा रही है। जबकि उक्त संबंध मे वन मंडल अधिकारी द्वारा पत्र जारी कर स्थानांतरित कर्मचारियों को नवीन पदस्थापना पर जाने के लिए वन परिक्षेत्र अधिकारियों को आदेशित किया जा चुका है लेकिन ऐसा ना होना कई संदेहों को जन्म दे रहा है। प्रशासन को चाहिए की ऐसे वन परिक्षेत्र अधिकारियों पर भी ठोस कार्रवाई की जाए तथा वित्तीय अनियमितता की जांच की जावे।

इनका कहना है

उक्त संबंध मे पत्र जारी किया जा चुका है। यदि स्थानांतरण आदेश का पालन नहीं किया जा रहा है। तो उन पर ठोस कार्रवाई की जावेगी।

डॉ. कल्पना तिवारी, डीएफओ

कलेक्टर ने ली भावांतर भुगतान योजना बैठक

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर।

जिले में भावांतर भुगतान योजना के अंतर्गत सोयाबीन विक्रय के सफल क्रियान्वयन के लिए कलेक्टर श्रीमती रजनी सिंह की अध्यक्षता में जिले के समस्त मंडी के लायसेंसधारीकर्ता व्यापारी की बैठक कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में शनिवार को सम्पन्न हुई। बैठक में भावांतर भुगतान योजना अंतर्गत गाइडलाइन पर विस्तार से चर्चा की गई। कलेक्टर श्रीमती रजनी सिंह ने बैठक में निर्देश दिए कि सोयाबीन उचित मूल्य पर विक्रय हो। किसी भी प्रकार से मंडियों के भाव में ज्यादा अंतर नहीं पाया जाए। व्यापारी द्वारा पंजीकृत किसानों के खाते में ऑनलाइन आरटीजीएस पब्लिक एनईएफटी के माध्यम से भुगतान किया जाए। कलेक्टर श्रीमती सिंह ने जिले में भावांतर योजना के सफल संचालन के निर्देश दिए। व्यापारियों ने पोर्टल में आ रही विभिन्न समस्याओं के समाधान के बारे में चर्चा कर कलेक्टर को अवगत कराया। कलेक्टर श्रीमती सिंह ने पोर्टल में आवश्यक सुधार कराने के लिए कहा। बैठक में उपसंचालक कृषि मॉरीश नाथ, मंडी सचिव नरसिंहपुर देवेंद्र सिंह ठाकुर, गाडरवारा मंडी सचिव रामसेवक गुमास्ता, सभी मंडियों के लाइसेंसधारी व्यापारीगण मौजूद थे। बैठक के पश्चात कलेक्टर श्रीमती रजनी सिंह ने कृषि उपज मंडी नरसिंहपुर का भ्रमण कर और मंडी प्रांगण के विस्तार के बारे में जानकारी ली।

श्री सहस्त्रबाहु जयंती के उपलक्ष में श्रेया होटल में बैठक संपन्न हुई

गोटेगांव

तहसील कलचुरी समाज गोटेगांव की एक आवश्यक बैठक श्रेया होटल में दिनांक 25 10 2025 दिन शनिवार रात्रि 8:00 बजे से जिसमें राजेंद्र राय की अध्यक्षता में एवं जिलाअध्यक्ष पंकज चौकसे जी के मुख्य अस्तित्व में आयोजित हुईजिसमें दिनांक 28 अक्टूबर 2025 को राजराजेश्वर श्री सहस्त्रबाहु अर्जुन जी की जन्म जयंती मनाई जाने का सुनिश्चित हुआ 28 अक्टूबर 2025 को प्रातः काल 9:30 बजे एकत्रीकरण श्रेया होटल में एवं 10:00 बजे भगवान सहित बहू जी का पूजन आरती तत्पश्चात प्रसाद वितरण होगा एवं 31 अक्टूबर को अखिल भारतीय महिला सम्मेलन का आयोजन नेताजी सुभाष चंद्र बोस के सभागार में होने जा रहा है जिसमें प्रत्येक घर से मातृशक्ति की उपस्थिति एवं सहयोग की अपील की गई बैठक में उनकी उपस्थिति रहीपंकज चौकसे राजेंद्र कुमार राय अरुण राय बद्री प्रसाद चौकसे रामकुमार जायसवाल सेवक चौकसे सुरेश चौकसे वीरेंद्र चौकसे आशीष राय मनोज राय मनीष राय रघुनाथ राय शारदा अनुज राय राजेंद्र राय होटल एल एम बी गौरव राय आकाश राय नितेश राय कपिल राय अनुराग राय वैभव राय आशीष राय सुमित राय अज्जू राय शंकर राय सहित सामाजिक बंधु उपस्थित रहे।

सी एम राइस विद्यालय में राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण

गोटेगांव

विगत दिवस शासकीय सांदीपनि सी एम राइस विद्यालय में राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण के अंतर्गत मुख्य वक्ता सिविल न्यायालय गोटेगांव की न्यायाधीश साक्षी शुक्ला का स्वागत डॉ विनीता मिश्रा, अन्य स्टाफ का स्वागत पूजा मेहरा, यादव मेडम द्वारा किया गया । न्यायाधीश शुक्ला मैडम ने विद्यार्थियों को मोटर अधिनियम की विभिन्न जानकारी प्रदान की गई । उन्होंने बताया कि विद्यार्थियों को हमेशा लायसेंस एवं हेलमेट के साथ यात्रा करना चाहिए ।किसी भी प्रकार का नशा इत्यादि करके वाहन आदि नहीं चलाना चाहिए अन्यथा पकड़े जाने पर जुर्माना भरना पड़ता है । विद्यार्थी द्वारा प्रश्न पूछे जाने पर उन्होंने अपने न्यायाधीश बनने तक का सफर अपने स्कूल कॉलेज की योग्यता के साथ विद्यार्थी के साथ साझा किया । विद्यार्थियों से कहा कि आप एक लक्ष्य तैयार कीजिए और उस लक्ष्य की प्राप्ति के लिए हमेशा कड़ी मेहनत करते रहिए । यही सफलता का वास्तविक रहस्य है। विधिक सेवा अध्यक्ष कृष्णा धुर्वे, पैरालीगल वालिंटियर साहिल मेहरा ने भी विद्यार्थियों से वार्तालाप की । कार्यक्रम में राष्ट्रीय सेवा योजना तथा एनसीसी के सभी विद्यार्थी एवं समस्त शाला परिवार उपस्थित रहा । अंत में आभार प्रदर्शन पी एस पटेल ने किया ।

जय श्री राम, सीताराम सीताराम सीताराम कहिए जाहि विधि राखे राम ताहि विधि रहिए

गोटेगांव

माताजी (स्वर्गीय श्रीमति हीरा बाई राय) की प्रथम पुण्यतिथि के अवसर पर अनिता राय द्वारा संकट मोचन मंदिर में भव्य महाआरती का आयोजन किया गयाश्रीधाम -श्री संकट मोचन हनुमान मंदिर मे बजरंग सेना नर्मदाखंड महाआरती समिति के तत्वाधान में रामभक्त हनुमान जी की महाआरती *पं दीपक तिवारी जी के आचार्यत्व में पूर्ण वैदिक मंत्रोच्चारण व विधि विधान के साथ *अनिता राय के द्वारा माताजी (स्वर्गीय श्रीमति हीरा बाई राय)की प्रथम पुण्यतिथि पर पूजन अर्चन किया गया अंजनीसुत को रसमलाई,लड्डू का भोग अर्पित कर भक्तों में प्रसाद वितरण किया गया इस अवसर पर उपस्थित श्रद्धालु जनों द्वारा सामूहिक रूप से श्री राम स्तुति,श्री हनुमान चालीसा,श्री हनुमान जी की महाआरती का गायन किया गया गौरतलब है कि श्री संकट मोचन हनुमान मंदिर महाआरती समिति द्वारा प्रत्येक शनिवार को संकट मोचन जी की संगीतमय महाआरती विगत 5वर्षों से भी अधिक समय से एवं 306वें सप्ताह से निरंतर जारी हे साप्ताहिक संगीतमय महाआरती के पश्चात समिति की भजन मंडली के सदस्यों द्वारा सामूहिक रूप से भजनों की अनुपम प्रस्तुति की गई जिसमें पप्पू सोनी, धर्मेंद्र चौबे, सुशील दुबे कमल स्वामी विद्याचरण पाराशर पंकज नोरिया विजेंद्र ठाकुर एवं सहयोगियों के द्वारा महाआरती संपन्न हुईइस अवसर पर इनकी रही उपस्थिति , नर्मदा प्रसाद गुप्ता, रघुनाथ राय, अनिल राय,दीपक सराठे मयंक शर्मा , अभिषेक राय पिंटू मेहरा, दीपक सोनी नीरज नेमा मुकेश ठाकुर मनीष साहू निहाल अग्रवाल मुकेश चढार विनोद साहू विमलेश राय नारायण सोनी नीरज सोनी शिवकुमार विश्वकर्मा ब्रजेश श्रीवास्तव विनोद विश्वकर्मा नीलेश नामदेव बसंत दुबे नंदू गुप्ता महेंद्र पटेल बटुक सेवक अक्षत सराठे, अनुज ठाकुर ऋषि विश्वकर्मा, अभिनंदन अग्रवाल मातृशक्ति से अहिल्या श्रीवास्तव स्नेहलता श्रीवास्तव,माया राय, विमलेश राय,अनिता राय, राधिका वैष्णव,नंदिनी जौहरी, शिवानी जौहरी,अंजना उपाध्याय, नम्रता सोनी गीता पचौरी निशा पचौरी संगीता चौबे भारती पटेल सारिका अग्रवाल प्रीति पचौरी रानू विश्वकर्मा प्रीति साहू लीलावती पटेल प्रीति पटेल अनीता साहू एवं नन्हे मुन्ने बच्चों की उपस्थिति रही